UPHIN/2011/39718

(डिजिटल संस्करण)

बुन्देलखण्ड का सबसे दबंग अखबार

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक
7905027565
9415055318

दैनिक यंग भारत

निष्पक्ष नज़र निर्भीक खबर

Digital Edition

यंग भारत न्यूज़

सहयोगी प्रकाशन/प्रसारण
दैनिक वास्तविक समाज वाद-लखनऊ
प्रमुख उर्दू दैनिक तामीरे नौ -लखनऊ

वर्ष-14 अंक-178 कीर्ति शेष रामेश्वर दयाल श्रीवास्तव (लम्बरदार) की स्मृति में उरई (जालौन) बुधवार 10 जून 2026 youngbharatE-paper.com

यूपी में तीन तलाक और एसिड पीड़िताओं को मिलेगा आवास

योगी सरकार का बड़ा फैसला

(प्रधान सम्पादक)

(यंग भारत न्यूज)

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण को लेकर लगातार नए कदम उठा रही है। इसी क्रम में योगी सरकार ने तीन तलाक तथा एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं को सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा फैसला लिया है।

योगी सरकार इन पीड़ित महिलाओं को प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना , आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से लाभान्वित करने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही निराश्रित महिलाओं को भी इन सभी योजनाओं का लाभ देने की तैयारी शुरू कर दी गयी है ।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिला कल्याण विभाग ने विभागीय स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके साथ ही महिला कल्याण विभाग तीन तलाक एवं एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं के साथ निराश्रित महिलाओं का विस्तृत डाटा एकत्रित किया जा रहा है, ताकि पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जा सके ।शासन स्तर पर इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और शासनादेश (जीओ) तैयार करने की प्रक्रिया भी चल रही है। महिला कल्याण विभाग द्वारा पीड़ित महिलाओं का सत्यापित विवरण एकत्रित किया जा रहा है। इसके आधार पर लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जाएगा। योगी सरकार का उद्देश्य है कि किसी भी पात्र महिला को केवल जानकारी के अभाव या प्रक्रियागत जटिलताओं के कारण सरकारी योजनाओं से वंचित न रहना पड़े। इसके लिए विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उच्चस्तरीय बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये थे कि जिन महिलाओं को तीन तलाक या एसिड अटैक जैसी परिस्थितियों का सामना करना पड़ा है और जिनके पास स्थायी आवास नहीं है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना अथवा मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत पक्का घर उपलब्ध कराया जाए। इसके साथ ही इन महिलाओं और उनके परिवारों को आयुष्मान भारत योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से जोड़कर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं का भी लाभ दिया जाए। मालमू हो कि एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं को लंबे समय तक इलाज, सर्जरी और पुनर्वास की आवश्यकता होती है। वहीं, तीन तलाक से प्रभावित कई महिलाएं आर्थिक और सामाजिक असुरक्षा का सामना करती हैं। ऐसे में आवास और स्वास्थ्य सुरक्षा दोनों उपलब्ध कराकर योगी सरकार उनके जीवन को अधिक सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

यूपी में अब बेरोजगारी भत्ता; मसौदा तैयार

मंजूरी के लिए जल्द योगी कैबिनेट में आएगा प्रस्ताव

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश में बेरोजगारी भत्ता को समय-समय पर मुद्दा बनाया जाता रहा है। अब इसका एक मसौदा तैयार किया गया है। इस मसौदे को प्रस्ताव के रूप में मंजूरी के लिए योगी कैबिनेट में जल्द ही लाया जाएगा।

यूपी की योगी सरकार केंद्र द्वारा जारी विकसित भारत-जी राम जी (वीबी जीरामजी) योजना को यूपी में लागू कराने जा रही है। इस योजना की खास बात यह होगी कि फसलों की कटाई-बुवाई के लिए मजदूरों को अपने खेत में काम करने के दौरान खाली रहने पर बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। ग्राम्य विकास विभाग ने इसका मसौदा तैयार कर लिया है और जल्द ही कैबिनेट से प्रस्ताव पास कराने की तैयारी है। राज्य सरकार को इसे जुलाई से पूरी तरह से लागू करना है। केंद्र सरकार ने मनरेगा के स्थान पर वीबी जीरामजी योजना की शुरुआत की है। केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए कानून को राज्यों में अपने यहां लागू करना है। ग्राम्य विकास विभाग ने इसके आधार पर इसका प्रारूप तैयार किया है। इसमें मनरेगा के सभी मजदूरों को शामिल करते हुए योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। इसके साथ ही अन्य नए मजदूरों को भी जोड़ने का काम किया जाएगा। बुवाई और कटाई के व्यस्त सीजन में खेती में काम करने वाले मजदूरों के लिए कुल 60 दिन का नो वर्क का समय होगा। शेष 305 दिनों में भी मजदूरों को 125 दिन की गारंटी वाला रोजगार दिया जाएगा। दैनिक मजदूरी हर सप्ताह या किसी भी स्थिति में कम करने की तिथि के 15 दिन के अंदर दे दिया जाएगा। वीबी जीरामजी में रोजगार की गारंटी प्रति ग्रामीण परिवार 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है। यूपी में भी अब ग्रामीण मजदूरों को इतने दिन का ही रोजगार दिया जाएगा। वीबी जीरामजी योजना में मजदूरों को पूरी तरह से ऑनलाइन डिजिटल भुगतान किया जाएगा। इसके साथ ही गड़बड़ी रोकने के लिए इसका सत्यापन भी कराया जाएगा। योजना में मजदूरों से फीडबैक लेकर गड़बड़ियों को रोका जाएगा और खामियों को दूर किया जाएगा। इस योजना में पानी से जुड़े कामों, कृषि और भूजल स्तर में सुधार के कामों को प्राथमिकता दी जाएगी। सड़क और कनेक्टिविटी जैसे कामों में इन्हें लगाया जाएगा। यूपी में फिलहाल मनरेगा में 2.43 करोड़ मजदूर पंजीकृत हैं। इसमें 1.82 करोड़ जॉब कार्ड जारी किए गए हैं। इसमें सक्रिय मजदूरों की संख्या 1.21 करोड़ है। सक्रिय जॉब कार्ड की संख्या 86.15 लाख है।

मान्यता प्राप्त पत्रकार को हिस्ट्रीशीटर ने रंगदारी न देने पर तमंचा लहराकर दी जान से मारने की धमकी

(यंग भारत न्यूज)

कालपी, जालौन। कालपी नगर के अशोक कुमार मान्यता प्राप्त पत्रकार ने स्थानीय हिस्ट्रीशीटर एवं जिला बदर रह चुके आरोपी पर रंगदारी मांगने, जान से मारने की धमकी देने तथा लगातार उत्पीड़न करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली पुलिस को प्रार्थना पत्र सौंपकर कार्रवाई की मांग की है। प्राप्त जानकारी मान्यता प्राप्त पत्रकार अशोक कुमार पुरवार ने कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि मंगलवार शाम करीब पांच बजे टरननगंज निवासी प्रदीप कुमार गुप्ता उर्फ लल्ला उनके प्रतिष्ठान पर पहुंचा। आरोप है कि उसने वहां मौजूद कर्मचारी शिवेन्द्र कुमार के साथ अभद्रता करते हुए पांच हजार रुपये की मांग की और रुपये न देने पर कर्मचारी तथा प्रतिष्ठान स्वामी को गोली मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता के अनुसार घटना की सूचना कर्मचारी ने तत्काल उन्हें मोबाइल फोन पर दी, जिसके बाद उन्होंने शाम 6 बजकर 5 मिनट पर डायल-112 पुलिस को सूचना दी। आरोप है कि पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय निवासी मुन्ने खां एवं रामजीवन भी मौके पर पहुंच गए। पत्रकार ने आरोप लगाया कि आरोपी पूर्व में भी कई बार उन्हें रास्ते में रोककर कथित रूप से अवैध तमंचा दिखाते हुए प्रति माह दस हजार रुपये रंगदारी देने का दबाव बना चुका है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी के पुत्र कनहैया गुप्ता, अमन और वैभव भी इस पूरे मामले में सहयोग करते हैं तथा झूठी शिकायतों के माध्यम से उन्हें परेशान करने का प्रयास कर रहे हैं। 68 वर्षीय अशोक कुमार पुरवार ने स्वयं को वरिष्ठ नागरिक बताते हुए कहा कि लगातार मिल रही धमकियों और शिकायतों से वह मानसिक रूप से परेशान हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन से सुरक्षा प्रदान करने तथा आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। साथ ही कहा कि यदि उनके साथ कोई अप्रिय घटना होती है तो इसकी जिम्मेदारी नामजद आरोपियों की होगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा के पति, पत्नी और वो मामले में नया खुलासा, 'बॉयफ्रेंड' के साथ पकड़ी गई महिला ने हसबैंड के खिलाफ खोला मोर्चा

(यंग भारत न्यूज)

नोएडा के सेक्टर-49 स्थित जूडियो शोरूम के बाहर हुआ पति, पत्नी और 'वो' का हाई-वोल्टेज ड्रामा अभी लोगों के जेहन से उतरा भी नहीं था कि इस कहानी ने नया मोड़ ले लिया।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में सड़क पर हंगामा, मारपीट और रिश्तों को लेकर तरह-तरह के दावे किए गए थे। लेकिन अब इस पूरे मामले में खुद उस महिला का वीडियो सामने आया है, जिसे लेकर इतना बवाल मचा हुआ था ।वीडियो में महिला के चेहरे पर पट्टियां बंधी नजर आ रही हैं और वह रोते हुए अपनी बात रख रही है। महिला का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर लोग उसे गलत ठहरा रहे हैं, जबकि पूरी सच्चाई कुछ और है। उसने अपने पति पर पीछा करवाने, हमला करने और गंभीर धमकियां देने के आरोप लगाए हैं। महिला ने अपने नाम बिंदु बताया। वीडियो में उसने कहा, 'मैं वहां अपने लिए और अपने बच्चों के लिए शॉपिंग करने गई थी। अगर वहां मुझे कोई जाना-पहचाना बंदा मिलता है और मैंने किसी से बात कर ली तो इसका मतलब मैं गलत हो जाऊंगी ? मेरा पति वहां मेरा पीछा करा रहा है, किससे करा रहा है मुझे नहीं पता, कैसे करा रहा है।' महिला ने दावा किया कि सोशल मीडिया पर लोग बिना पूरी सच्चाई जाने उसके बारे में गलत बातें फैला रहे हैं और एक वीडियो देखकर पूरे मामले का फैसला सुना रहे हैं। महिला ने बताया कि वह पिछले दो साल से अपने पति से अलग रह रही है और दोनों के बीच तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। उसने कहा, 'पीछा करते-करते वह वहां आ गया। मैं 2 साल से अपने पति से अलग रह रही हूं। मेरा डिवोर्स होने वाला है। जुलाई में डिवोर्स फाइनल होने वाला है। फिर भी इसे चैन नहीं मिल रहा।' महिला का आरोप है कि उसके पति ने सिर्फ उसे डराने की नहीं, बल्कि उसकी जिंदगी बर्बाद करने की भी कोशिश की। महिला ने बताया कि वह पिछले दो साल से अपने पति से अलग रह रही है और दोनों के बीच तलाक का मामला कोर्ट में चल रहा है। उसने कहा, 'पीछा करते-करते वह वहां आ गया। मैं 2 साल से अपने पति से अलग रह रही हूं। मेरा डिवोर्स होने वाला है। जुलाई में डिवोर्स फाइनल होने वाला है। फिर भी इसे चैन नहीं मिल रहा।' महिला का आरोप है कि उसके पति ने सिर्फ उसे डराने की नहीं, बल्कि उसकी जिंदगी बर्बाद करने की भी कोशिश की। महिला ने अपने पति पर बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि वह लगातार उसे डराता और धमकाता रहा है। महिला के मुताबिक, 'यह मेरा पीछा करता है, मुझ पर हमला करता है। यह बोलता है कि तेजाब फेंक दूंगा, ये कर दूंगा, वो कर दूंगा, तेरा चेहरा खराब कर दूंगा। तू कहीं की नहीं बचेगी। आया और मुझ पर हमला करा।' वीडियो में महिला के चेहरे पर चोट के निशान और पट्टी भी दिखाई दे रही है। उसने दावा किया कि हमला किए जाने की वजह से उसकी यह हालत हुई है। महिला ने कहा कि वायरल वीडियो में जिस युवक को उसका बॉयफ्रेंड बताया जा रहा है, वह दरअसल उसकी मदद के लिए आगे आया था। उसके मुताबिक, जब उस पर हमला हुआ तो उसी युवक ने बीच-बचाव कर उसकी जान बचाने की कोशिश की। महिला ने कहा, 'उस लड़के ने मुझे बचाया तो उसको ही मेरा बॉयफ्रेंड बना दिया गया, जो बिल्कुल गलत है।' उसने आरोप लगाया कि उसके पति और वहां मौजूद कुछ लोगों ने बिना सच्चाई जाने उस युवक को उसका प्रेमी बताना शुरू कर दिया और उसकी पिटाई कर दी। महिला ने सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल करने वालों और कमेंट करने वालों पर भी नाराजगी जताई। उसने कहा कि लोग पूरी सच्चाई जाने बिना किसी को भी दोषी ठहरा देते हैं। महिला ने कहा, 'जो लोग मुझे मारने की बात कर रहे थे, वो जरा बताएं कि आप कौन होते हो फैसला करने वाले ? क्या आप सच्चाई जानते हो ? एक तरफ की बातें सुनकर आपने मुझे गलत कह दिया।

उरई के निजी अस्पतालों में घटिया उपचार के बदले लूटे जा रहे हैं तीमारदार, जीरो टॉलरेंस की कार्यवाही का इंतजार

मानक विहीन नर्सिंग होम और पैथोलॉजी सेंटरों पर कब चलेगा प्रशासन का बुलडोजर?

संजय श्रीवास्तव
प्रधान सम्पादक

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। जनपद जालौन में निजी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी सेंटर, अल्ट्रासाउंड केंद्र और मेडिकल प्रतिष्ठानों की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। जिले में बड़ी संख्या में ऐसे निजी स्वास्थ्य संस्थान संचालित होने की चर्चा है, जिनके पास न तो निर्धारित मानकों के अनुरूप संसाधन हैं और न ही पर्याप्त विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं प्रशिक्षित स्टाफ की उपलब्धता। इसके बावजूद ये संस्थान मरीजों का इलाज, भर्ती और विभिन्न प्रकार की जांचें कर रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि कई निजी नर्सिंग होम केवल कागजों पर मानक पूरे दिखाकर संचालन कर रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत कुछ और ही है। कई स्थानों पर आपातकालीन सुविधाओं का अभाव है, जीवन रक्षक उपकरण पर्याप्त नहीं हैं और विशेषज्ञ डॉक्टरों की उपलब्धता भी संदिग्ध बताई जाती है। सवाल यह उठता है कि यदि मानक पूरे नहीं हैं तो ऐसे नर्सिंग होमों को पंजीकरण और संचालन की अनुमति आखिर किस आधार पर प्रदान की गई ?

पैथोलॉजी सेंटरों की स्थिति भी चिंताजनक बताई जा रही है। मरीजों और उनके परिजनों का कहना है कि कई जांच केंद्रों पर योग्य विशेषज्ञों की निगरानी के बिना जांच रिपोर्ट तैयार की जा रही हैं। आरोप है कि कई बार रिपोर्टों में इतनी गंभीर त्रुटियां होती हैं कि स्वस्थ व्यक्ति को गंभीर बीमारी का मरीज बता दिया जाता है, जबकि गंभीर रोग से पीड़ित मरीज की बीमारी सामान्य बताकर उसकी जान को खतरे में डाल दिया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में मरीजों का आर्थिक, मानसिक और शारीरिक शोषण होने की आशंका बढ़ जाती है। अल्ट्रासाउंड और अन्य डायग्नोस्टिक सेवाओं को लेकर भी लगातार सवाल उठ रहे हैं। कई मामलों में मरीजों को जांच के नाम पर इधर-उधर भेजा जाता है और भारी शुल्क वसूला जाता है। स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर चल रहे इस कथित खेल में आम आदमी सबसे बड़ा पीड़ित बनकर सामने आ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता की कमी का फायदा उठाकर मरीजों को अनावश्यक जांचें कराने के लिए मजबूर किए जाने के आरोप भी समय-समय पर सामने आते रहे हैं। जनपद में समय-समय पर निजी अस्पतालों और नर्सिंग होमों में उपचार के दौरान मरीजों की मौत के मामले भी सुर्खियां बनते रहे हैं। कई मामलों में

परिजनों ने इलाज में लापरवाही, गलत दवा, गलत जांच रिपोर्ट और अपर्याप्त सुविधाओं को मौत का कारण बताया। हालांकि प्रत्येक मामले की वास्तविक स्थिति जांच का विषय होती है, लेकिन लगातार सामने आ रही शिकायतों ने निजी स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय-समय पर जांच अभियान चलाने और मानक विहीन संस्थानों पर कार्रवाई की बातें कही जाती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर प्रभावी सुधार दिखाई नहीं देता। लोगों का आरोप है कि कई संस्थान कार्रवाई के बाद कुछ समय के लिए बंद होते हैं और फिर किसी न किसी तरीके से पुनः संचालन शुरू कर देते हैं। इससे प्रशासनिक निगरानी व्यवस्था की प्रभावशीलता पर भी सवाल उठ रहे हैं। फार्मासिस्ट और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े जानकारों का कहना है कि किसी भी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी सेंटर या अल्ट्रासाउंड केंद्र के संचालन के लिए निर्धारित नियमों का पालन अनिवार्य है। योग्य चिकित्सक, प्रशिक्षित तकनीकी स्टाफ, मानक उपकरण, वैध लाइसेंस और नियमित निरीक्षण स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हैं। यदि इन नियमों की अनदेखी की जाती है तो इसका सीधा असर मरीजों की सुरक्षा और जीवन पर पड़ता है। अब जनपदवासियों की निगाहें जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग पर टिकी हुई हैं। लोग मांग कर रहे हैं कि जिले में संचालित सभी निजी नर्सिंग होम, पैथोलॉजी सेंटर, अल्ट्रासाउंड केंद्र और मेडिकल प्रतिष्ठानों की व्यापक जांच कराई जाए। जिन संस्थानों में मानकों की कमी मिले, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि भविष्य में किसी भी मरीज की जान के साथ खिलवाड़ न हो सके। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासन स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर चल रही कथित अनियमितताओं पर सख्त कदम उठाएगा या फिर शिकायतों और मौतों का सिलसिला यूं ही जारी रहेगा। आने वाले दिनों में स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन की कार्रवाई पर पूरे जनपद की नजरें टिकी हुई हैं।

- **बिना विशेषज्ञ डॉक्टर, बिना पर्याप्त संसाधनों और बिना मानकों के संचालित हो रहे कई निजी स्वास्थ्य केंद्र**
- **संदिग्ध जांच रिपोर्टों से मरीजों की जिंदगी खतरे में, फर्जीवाड़े के आरोपों से घिरे कई पैथोलॉजी सेंटर**
- **मौतों और शिकायतों के बावजूद कार्रवाई का इंतजार, स्वास्थ्य प्रशासन के खुले संरक्षण का आरोप**

जेष्ठ मंगलवार पर्व में नगर में दोपहर से आधा दर्जन अलग-अलग जगह किया भंडारा मौजूद मुसाफिर भक्त गणों ने जमकर चखा प्रसाद

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 9 जून जेष्ठ माह मंगलवार पर्व को लेकर समाज सेवियों एवं भक्तों ने अपने अपने चिन्हित जगह पर आधा दर्जन भंडारे का आयोजन किया गया वहीं प्रत्येक भंडारे का पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव एवं अधिशाषी अधिकारी अवनीश कुमार शुक्ल समाज सेवियों भक्तों की उपस्थिति में प्रसाद वितरण कर शुरुआत कराकर उद्घाटन किया रेलवे स्टेशन समीप स्थित हनुमान मंदिर प्रांगण में आयोजित भंडारे की नगर पालिका परिषद अध्यक्ष अरविंद यादव ने प्रसाद ग्रहण करते हुए कहा कि हिंदू समाज के लिए यह पर्व महत्वपूर्ण के रूप में माना जाता है जो समाजसेवियों ने भंडारे का आयोजन किया है जिससे संस्था समाजसेवियों के लोगों को जगाने का काम किया है कोई भी व्यक्ति श्रद्धा पूर्वक अपने कार्यों को अंजाम देता है उस व्यक्ति से भगवान सदैव खुश रहते हैं इतना भी नहीं ऐसे भंडारा आयोजन से सर्वाधिक पुण्य प्राप्त होता है ऐसे नेक कार्यों में लोगों को सदैव बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए चलते हुए भंडारे में सर्वाधिक मुसाफिरों ने सम्मिलित होकर प्रसाद ग्रहण कर आनंदमई हुए मौके में कुंवर आशू ठाकुर शरद शुक्ला कुलदीप शुक्ला संजय गुप्ता आदि लोग मौजूद थे इसी क्रम में पालिका अध्यक्ष यादव ने कदौरा फाटक स्थित सर्राफा दुकान के पास वरिष्ठ सर्राफा व्यापारी एवं समाजसेवी दीपक धवन आदि दुकानदारों की उपस्थिति में भंडारे का प्रसाद ग्रहण कर उद्घाटन किया इसी क्रम में समाजसेवियों ने विजय पेट्रोल पंप समीप पूडी सब्जी भंडारे आयोजन किया पुरानी इलाहाबाद बैंक के समीप भंडारे में पूडी सब्जी आयोजन किया गया इसी क्रम में टरननगज कालपी बाजार स्थित दुकान पर उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष नमन अग्रवाल आदि व्यापारी एवं दुकानदारों की उपस्थिति में विधायक विनोद चतुर्वेदी ने प्रसाद ग्रहण कर भंडारे की शुरुआत कराई उक्त भंडारे में दुकानदारों एवं ग्राहको तथा मुसाफिरों ने भंडारे में सम्मिलित होकर चावल छोला प्रसाद ग्रहण कर आनंदमई हुए मौजूद व्यापारियों में उद्योग मंडल उपाध्यक्ष अमित गुप्ता कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता समीर धवन छुनन साहू अनिल आदि लोगों ने बाजार में आने वाले मुसाफिरों को जमकर प्रसाद वितरण किया मौजूद भक्त जनों ने अलग-अलग भंडारे में पहुंचकर प्रसाद का स्वाद लेते हुए जय हनुमान लला उद्घोष के जमकर नारे लगाकर नगरी को सुशोभित किया।

संगठित गिरोह बनाकर अपराध करने बाले गैंग लीडर समेत दो लोगों पर गैंगस्टर की कार्रवाई

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। संगठित गिरोह बनाकर चोरी व अन्य अपराध करने के आरोप में पुलिस ने गैंग लीडर समेत दो लोगों के गैंगस्टर की कार्रवाई की है। कोतवाल हरिशंकर चंद ने बताया कि गिरोह का लीडर जनपद औरैया के थाना दिबियापुर क्षेत्र के ग्राम गहेसर निवासी दीपक उर्फ दीपू एवं जिला कानपुर देहात के थाना रूरा क्षेत्र के ग्राम सराय गडवा निवासी गिरोह का सदस्य रोशनलाल उर्फ बड़े उर्फ धीरेन्द्र जनपद व आसपास के क्षेत्रों में संगठित गिरोह बनाकर चोरी व अन्य तरह के अपराधों को अंजाम दे रहे थे। इन दोनों के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। दोनों के खिलाफ गैंगस्टर की कार्रवाई के लिए जिलाधिकारी से संस्तुति प्राप्त की गई थी। दिनांक 21 मई को जिलाधिकारी द्वारा इस गैंग के खिलाफ गैंग चार्ट अनुमोदितम किया गया था। जिसके बाद गैंड लीडर व गिरोह के सदस्य के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की गई है।

विधायक ने फ्रीजर पेयजल का उद्घाटन किया बाजार में मौजूद दुकानदार ग्राहको को सदैव ठंडा जल उपलब्ध होगा

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 9 जून विधायक कालपी विनोद चतुर्वेदी ने व्यापारियों एवं दुकानदारों की उपस्थिति में टरननगंज बीच बाजार में अपनी निधि से फ्रीजर जल स्थापित किया वही विधायक चतुर्वेदी ने मंगलवार के दिन फीता काटकर उद्घाटन किया मौजूद व्यापारियों ने दुकानदारों ने विधायक का माल्यार्पण कर एवं अंग वस्त्र उड़ाकर सर्वाधिक स्वागत कर विधायक चतुर्वेदी जिंदाबाद के नारे लगाकर बाजार चारों ओर रोमांचक होता हुआ सुशोभित नजर आया स्वागत करने वालों में उद्योग व्यापार मंडल नगर अध्यक्ष नमन अग्रवाल उपाध्यक्ष अमित गुप्ता कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता भाजपा नेता जीतू तिवारी समीर धवन आदि लोग मौजूद थे।

रसोई गैस सिलिंडर के दामों में 29 रुपये की वृद्धि होने से आम लोगों की टूटी कमर

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। घरेलू रसोई गैस सिलिंडर के दामों में 29 रुपये की वृद्धि होने से आम लोगों की चिंता बढ़ गई है। पहले से महंगाई की मार झेल रहे परिवारों का कहना है कि गैस सिलिंडर महंगा होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त बोझ पड़ेगा। वहीं, बीते कुछ समय में कॉमर्शियल गैस सिलिंडर के दामों में हुई बढ़ोतरी का असर बाजार में खाने-पीने की वस्तुओं की कीमतों पर पहले ही दिखाई देने लगा है।

नगर के लोगों का कहना है कि लगातार बढ़ती महंगाई के बीच गैस सिलिंडर के दामों में वृद्धि ने रसोई का खर्च और बढ़ा दिया है। घरेलू गैस का उपयोग करने वाले परिवारों को अब हर सिलिंडर पर अधिक रकम खर्च करनी पड़ेगी। इसका सीधा असर मध्यमवर्गीय और निम्न आय वर्ग के परिवारों पर पड़ेगा। उधर, कॉमर्शियल गैस सिलिंडर महंगा होने के बाद होटल, ढाबा और चाय-नाश्ते की दुकानों ने भी खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ा दिए हैं। नगर में जो समोसा पहले पांच से सात रुपये में मिल जाता था, उसकी कीमत अब 10 रुपये तक पहुंच गई है। इसी तरह 10 रुपये में मिलने वाली मोमोस की प्लेट अब 15 रुपये में बिक रही है। पेटीज, बर्गर, पाव भाजी, बड़ा पाव और अन्य खाद्य सामग्री के दामों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। गृहिणी मीनाक्षी दीक्षित, रेनू पोरवाल ने बताया कि रसोई का बजट पहले ही बिगड़ा हुआ है। आटा, दाल, तेल और सब्जियों के दाम बढ़ने के बाद अब गैस सिलिंडर महंगा होने से घर का खर्च संभालना और मुश्किल हो जाएगा। उनका कहना है कि एक सामान्य परिवार के लिए हर महीने खर्चों को संतुलित करना चुनौती बनता जा रहा है। वहीं युवा सुहेल, प्रतीककांत आदि ने बताया कि गैस सिलिंडर और अन्य आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने का असर सीधे बाजार पर पड़ता है। होटल और फास्ट फूड की दुकानों पर खाद्य पदार्थ महंगे होने से युवाओं का खर्च भी बढ़ गया है। उनका कहना है कि लगातार बढ़ती कीमतों के कारण लोगों को अपनी जरूरतों में कटौती करनी पड़ रही है।

हाईवे में पुरी रात लगा रहा जाम, जाम में फसे मुसाफिर बिल बिलाये, प्रभारी निरीक्षक ने बड़ी मशक्कत के बाद मुसाफिरों को हाईवे से रात भर निकलवाने में छुटा पसीना

(यंग भारत न्यूज)

कालपी पुराने पुल मर्मती करण बीती रात हाईवे वन वे सड़क पर सोमवार की रात पूर्व की तरह दोनों तरफ से वाहनों का आवागमन चल रहा था वही लगभग 10 बजे से हाईवे यमुना पुल से लेकर जोल्हूपुर मोड़ तक बराबर ट्रकों की लंबी कतार खड़े होकर लंबा जाम लग गया वाहनों में बैठे मुसाफिरों ने जिले के आल्हा अधिकारियों को अवगत कराते हुए जाम को खुलवाने की पुरजोर मांग उठाई वही जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडे एवं पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह दोनों अधिकारियों ने प्रभारी निरीक्षक को जाम खुलवाने के लिए निर्देश दिए वहीं सोमवार की रात अधिकारियों का जैसे ही फरमान प्रभारी निरीक्षक अजय ब्रह्म तिवारी को मिला सर्वाधिक पुलिस बल के साथ हाईवे में लगे हुए जाम पर कूद पड़े इतना भी नहीं उन्होंने ज्ञान भारती छौक चौकी प्रभारी विनय यादव को पुलिस बल साथ जोल्हूपुर मोड में लगे जाम को हटाने के निर्देश दिए वही जाम को हटाने में चौकी प्रभारी एवं प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ पूरी रात बड़ी मशक्कत के बाद जाम में खड़े वाहन धीरे-धीरे बाहन चलने का सिलसिला शुरू हुआ वहीं करीब कोतवाली पुलिस टीम लगभग 6 घंटे जाम में जूझते हुए जाम में फंसे मुसाफिरों को निकलवाने में सफलता हासिल की पूरी रात पुलिस टीम का जाम खुलवाने में पसीना टपकता हुआ नजर आया इतना भी नहीं जाम को खुलवाने में चारों तरफ पुलिस टीम लगी हुई थी बड़ी मशक्कत के बाद जाम को खुलवाने में कामयाबी हासिल की वही जाम में फंसे मुसाफिरों ने निकलते हुए जिले के आला अफसर एवं प्रभारी निरीक्षक सहित पुलिस स्टाफ की भूर-भूर प्रशंसा कर उत्साह वर्धन किया जबकि पुराने पुल की मरम्मत के पहले हाईवे के जिम्मेदार लोगों का कहना था कि वाहनों के निकालने के लिए सभी व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त की गई है फिर भी हाईवे का जाम हाईवे निर्माण के समय में लगता था जाम उसकी याद दिलाता हुआ नजर आ रहा है रात्रि में जाम खुलवाने के उपरांत मंगलवार को सुबह प्रभारी निरीक्षक ने जानकारी दी।

नाली और सड़क के पास की मिट्टी घसने से विधुत पोल झुका

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर के मोहल्ला नया रावतान में हाल ही में बनाई गई आरसीसी सड़क के किनारे मारुति एजेंसी के सामने नाली और सड़क के पास की मिट्टी पूरी तरह धंस गई है। इतना ही नही बिजली के पोल झुक गए हैं। मोहल्ले के लोगों ने व्यवस्थाएं दुरूस्त कराने की मांग एसडीएम से की है।

नगर के मोहल्ला रावतान निवासी बॉबी राजावत, जागेश्वर सिंह, वंदना दुबे, अरुण, सरिता देवी तार नीचे होने के कारण राहगीरों के सिर से टकरा रहे हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मोहल्ले के लोगों ने उपजिलाधिकारी जालौन को प्रार्थना पत्र देकर क्षेत्र में नए बिजली के खंभे लगवाने और लटक रही बिजली लाइन को दुरुस्त कराने की मांग की है। उनका कहना है कि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो किसी की जान भी खतरे में पड़ सकती है। इस संबंध में सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।

आईटीआई प्रधानाचार्य ने झाडू चला कर स्वच्छता का दिया संदेश

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 9 जून नगर के मोहल्ला राजघाट स्थित आईटीआई विद्यालय में प्रधानाचार्य ने स्वयं झाडू चला कर स्वच्छता का संदेश दिया तथा मौजूद लोगों को जागरूक किया। मंगलवार के दिन विद्यालय के प्रधानाचार्य श्रवण कुमार शुक्ल द्वारा स्वच्छता अभियान के बारे में प्रेरणादायक संदेश दिया गया उन्होंने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम समाज में स्वच्छता के महत्व का बढ़ावा देते हैं तथा लोगों को माननीय प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान से जुड़ने के लिए प्रेरित करते हैं यह केवल एक दिवस नहीं अपितु आने वाली वीडियो के सुरक्षित भविष्य के लिए हम सभी की एक सामूहिक नैतिक जिम्मेदारी भी है कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय कुमार शुक्ला कार्यदेशक तथा नरेंद्र कुमार भोला प्रसाद मीरा यादव संतोष भारती रनजीत सिंह सफीक खान जितेंद्र कुमार कल्याण सिंह राहुल राजपूत गौरव पांडे सुजीत आनंद शुभम सिंह अमरेंद्र कुमार नीतू अमित पाल वंशिका एवं रेखा आदि अनुदेशकों का विशेष योगदान रहा।

सड़क दुर्घटना में युवक घायल विषाक्त पदार्थ खाकर महिला अचेत

(यंग भारत न्यूज)

कालपी जालौन 9 जून हाईवे सड़क में बीती रात 40 वर्षीय वाहिद पुत्र वहीद निवासी जनपद औरइया सोमवार की रात हाईवे में सफर कर रहे थे अज्ञात बाहन की टक्कर से बुरी तरह घायल हुए घायल की सूचना पाकर पहुंची हाईवे की एंबुलेंस कर्मचारी ने सड़क पर पड़े घायल को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी में इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शेख ने घायल मरीज की जांच की जांच दौरान गंभीर स्थिति पाए जाने पर प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल उरई रिफर किया इसी क्रम में परिवार से कलह होने पर 22 वर्षीय नुसकान पत्नी मन्नू निवासी अदलसराय कालपी मंगलवार को सुबह आक्रोशित होकर घर पर रखा जहरीला पदार्थ खाकर बुरी तरह हालत बिगड़ी घर पर मौजूद परिजनों ने आनंन फानन घर से महिला को बेहोशी हालत में उठाकर सीएचसी कालपी इलाज हेतु भर्ती कराया अस्पताल में मौजूद चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर शेख ने महिला की जांच की जांच दौरान गंभीर स्थिति पर प्राथमिक उपचार कर जिला अस्पताल उरई रिफर किया।

माय भारत (नेहरू युवा केंद्र) जनपद जालौन के 9 ब्लॉकों से वॉलिंटियर के लिए लिया गया इंटरव्यू

-शैक्षिक योग्यता के साथ साक्षात्कार किया अभ्यर्थियों ने, जिसमे 20 वॉलिंटियर होंगे सिलेक्ट

-कुल 35 अभ्यर्थियों ने किया था आवेदन

उरई। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत संचालित माय भारत (पूर्व में नेहरू युवा केंद्र) में जनपद जालौन से युवा अधिकारी का सोनिका चंद्रा के मार्गदर्शन में तीन सदस्यों की टोली ने अभ्यर्थियों का साक्षात्कार होंने पर योगता एवं बौद्धिक व कार्य क्षमता आकलन किया गया। नामित कमेटी में मंगलवार को गौरीश चौहान (बिरिया), अमित पाण्डे रहे।

जालौन जनपद के स्वयंसेवकों में उत्साह देखा गया।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने हाल ही में नेहरू युवा केंद्र संगठन का नाम बदलकर माय भारत कर दिया है। इसका उद्देश्य युवाओं को खेल, सामाजिक गतिविधियों और राष्ट्र निर्माण से जोड़कर उनकी सकारात्मक भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस दौरान रमाकांत सोनी (टीहर), आलोक द्विवेदी, विमल चौहान, नेहा यादव, सत्यम सिंह, साहिल दुबे, सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे। सोनिका चंद्रा ने युवाओं को सरकारी योजनाओं और सामाजिक विकास कार्यक्रमों से जोड़ने तथा जिले में युवा गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की साथ ही सभी स्वयंसेवकों का उत्साह वर्धन किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल का जन्म दिन सेवा दिवस के रूप में मनाया ब्यापार उधोग मंडल ने

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिला परिषद रोड उरई स्थित श्री बजरंग होटल पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल जनपद जालौन द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल (पूर्व मंत्री) का जन्मदिन सेवा संकल्प दिवस के रूप में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में व्यापारी बंधुओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आम नागरिकों ने सहभागिता की और प्रसाद ग्रहण किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सदर विधायक श्री गौरी शंकर वर्मा एवं कालपी विधायक श्री विनोद चतुर्वेदी उपस्थित रहे। दोनों जनप्रतिनिधियों ने संगठन द्वारा किए जा रहे सामाजिक एवं जनहित कार्यों की सराहना की और सेवा भाव को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।इस अवसर पर अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मण्डल जनपद जालौन द्वारा निर्वाचन 2026 के संदर्भ में गहोई सेवा मंडल उरई के नव निर्वाचित पदाधिकारियों को भी सम्मानित किया गया। अध्यक्ष पद पर पवन गेड़ा, मंत्री संजय कुरेले, उपाध्यक्ष अनूप पहारिया, कोषाध्यक्ष अवधेश रावत एवं सहमंत्री अरविंद तरसौलिया सहित अन्य सदस्यों जैसे अखिल सोनी (डकोर), अनिल कंथरिया, अरविंद पचोखरा, कमलेश मानपुरा, पंकज कसाब, जितेंद्र कंथरिया एवं गौरव इटौंदिया को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का सफल संचालन जिला महामंत्री संजीव सिपौल्या द्वारा किया गया तथा जिलाध्यक्ष संतोष गुप्ता ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। पूरे आयोजन में सेवा, संगठन और सहयोग की भावना प्रमुख रूप से देखने को मिली।इस अवसर पर संदीप बंसल के जन्मदिन को सेवा संकल्प दिवस के रूप में मनाते हुए समाजहित में निरंतर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया गया मुख्य रूप से पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन केप्टन अखिलेश नगाइच एवं कैप्टन संतोष रायकवार जी के नेतृत्व में पूर्व सैनिकों की उपस्थिति सराहनीय रही इस अवसर पर व्यापार मंडल के सम्मानित पदाधिकारियों में ज्ञान सिंह खांगर,बलवीर सोनी,डॉक्टर प्रज्ञा राजपूत,गौरव राठौर प्रदीप द्विवेदी बबलू दुबे रोहित अग्रवाल बलवीर जादौन बंटू गुर्जर राघवेंद्र सिंह उदय करण प्रजापति धर्मेंद्र कुलश्रेष्ठ राजकुमार अग्रवाल अरुण द्विवेदी मंडावी सिंह सौरभ अवस्थी अंकित त्रिपाठी शिव दयाल हुंका उमेश चंद्र शर्मा धीरेंद्र श्रीवास्तव धर्मेंद्र पांचाल इत्यादि बंधु उपस्थित रहें।

पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान बस स्टैंड पर बददिमाग और बद मिजाज ए आर एम रोडवेज ने अभिपर्थियों सहित पुलिस को भी दी माँ बहन की गलियां

भीड़ देख कर आपा खो बैठा एआरएम, अब सर्वत्र हो रही है उसके घटिया आचरण की आलोचना

(यंग भारत न्यूज)

उरई । पुलिस भर्ती परीक्षा के बाद उरई रोडवेज बस स्टेशन पर अभ्यर्थियों और रोडवेज अधिकारी के बीच हुए विवाद का मामला चर्चा का विषय बन गया है। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद रोडवेज अधिकारियों के व्यवहार को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, पुलिस भर्ती परीक्षा समाप्त होने के बाद राठ, हमीरपुर और महोबा के अभ्यर्थी उरई बस स्टेशन पहुंचे थे। महोबा जाने के लिए रोडवेज की विशेष बस की व्यवस्था की गई थी। आरोप है कि कुछ अभ्यर्थियों द्वारा टिकट न बनवाने को लेकर बस चालक और परिचालक से विवाद हो गया, जिसके चलते बस को वापस बस स्टेशन लाया गया।विवाद बढ़ने पर सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक (एआरएम) कमल किशोर मौके पर पहुंचे। अभ्यर्थियों का आरोप है कि टिकट विवाद के दौरान एआरएम ने उनसे तीखी बहस की और सार्वजनिक रूप से अभद्र भाषा का प्रयोग किया। पूरी घटना वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर ली, जिसका वीडियो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।वायरल वीडियो में एआरएम युवाओं से नाराजगी भरे अंदाज में बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने रोडवेज अधिकारियों के व्यवहार की आलोचना की है।वहीं, एआरएम कमल किशोर का कहना है कि अभ्यर्थियों द्वारा लगातार अभद्र भाषा का प्रयोग किया जा रहा था, जिसके कारण विवाद बढ़ा। मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी मजिस्ट्रेट सुनील कुमार ने एआरएम को तलब कर पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है।प्रशासन का कहना है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नाला निर्माण न होने से आमजन परेशान

-अधूरे नाला निर्माण और गंदगी से लोगों का जीना हुआ मुश्किल
-बरसात से पहले कार्य पूरा न होने पर जलभराव की आशंका

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर के झांसी रोड क्षेत्र में नाला निर्माण कार्य में हो रही देरी से स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लंबे समय से अधूरा पड़ा नाला न केवल राहगीरों के लिए खतरा बना हुआ है, बल्कि आसपास रहने वाले लोगों के लिए भी मुसीबत का कारण बन गया है।

क्षेत्रवासियों का कहना है कि निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है, जिससे नाले में कूड़ा-कचरा जमा हो रहा है और दुर्गंध फैल रही है। सड़क किनारे खुदाई होने के कारण दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बरसात का मौसम नजदीक है, ऐसे में यदि जल्द निर्माण कार्य पूरा नहीं कराया गया तो जलभराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो सकती है।नाले के आसपास रहने वाले नागरिकों ने नगर पालिका प्रशासन से शीघ्र निर्माण कार्य पूरा कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि अधूरे निर्माण और गंदगी के कारण दैनिक आवागमन प्रभावित हो रहा है तथा बीमारी फैलने का भी खतरा बना हुआ है।क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अब देखना यह है कि संबंधित विभाग आम जनता की इस समस्या को कितनी गंभीरता से लेकर समाधान करता है।

कलेक्ट्रेट के वरिष्ठ लिपिक पालक निधि नायक को भ्रष्टाचार एवम कदाचार के आरोप में डीएम ने कर दिया निलंबित, डीएम की बड़ी कार्रवाई

(यंग भारत न्यूज)

उरई, जालौन। प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार, अनुशासनहीनता एवं कदाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट उरई में कार्यरत कर्मचारी पलक निधि नायक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई कर्मचारी के विरुद्ध प्राप्त गंभीर शिकायतों एवं प्रथम दृष्टया सामने आई अनियमितताओं के आधार पर की गई है।

जिलाधिकारी द्वारा जारी आदेश के अनुसार संबंधित कर्मचारी पर बिना सक्षम अनुमति के व्यापारिक गतिविधियों में संलिप्त रहने, खनन कार्यों से जुड़े मामलों में अप्रत्यक्ष भूमिका निभाने, शासकीय सेवा के अनुशासन का पालन न करने तथा विभिन्न व्यक्तियों से धोखाधड़ी संबंधी शिकायतें प्राप्त होने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। प्राप्त शिकायतों और उपलब्ध अभिलेखों के परीक्षण के बाद प्रथम दृष्टया आरोप गंभीर पाए जाने पर निलंबन की कार्रवाई की गई। डीएम ने स्पष्ट किया कि सरकारी कर्मचारियों के लिए निर्धारित आचरण नियमावली का पालन अनिवार्य है और किसी भी स्तर पर नियमों के उल्लंघन को स्वीकार नहीं किया जाएगा। शासन की मंशा के अनुरूप प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी सुनिश्चित करने के लिए ऐसे मामलों में कठोर कदम उठाए जाएंगे।

मामले की विस्तृत जांच के लिए ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उप जिलाधिकारी जालौन को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें निर्देश दिए गए हैं कि पूरे प्रकरण की गहन जांच कर निर्धारित समयावधि में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करें, ताकि तथ्यों के आधार पर आगे की विभागीय कार्रवाई की जा सके।

डीएम व एसपी ने पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन भी केंद्रों का लिया जायजा

(यंग भारत न्यूज)

उरई। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 को नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सकुशल संपन्न करने के उद्देश्य से जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। परीक्षा के दौरान सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं की सतत निगरानी की गई तथा सभी परीक्षा केंद्रों पर कड़े सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए गए तथा केंद्र व्यवस्थापकों एवं ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की सघन तलाशी, सीसीटीवी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन एवं अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया।

नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा सकुशल संपन्न

- जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती परीक्षा-2025 जनपद में आज को नकलविहीन, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सकुशल संपन्न हुई।

परीक्षा के दौरान जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा केंद्र व्यवस्थापकों को निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित परीक्षा संचालन के निर्देश दिए। जनपद में कुल 09 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा दो पालियों में आयोजित की गई। प्रत्येक पाली में 3,264 अभ्यर्थियों के लिए व्यवस्था की गई थी। प्रथम पाली में कुल 2,629 अभ्यर्थी उपस्थित रहे जबकि 635 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार द्वितीय पाली में 2,685 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए तथा 579 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। दोनों पालियों को मिलाकर कुल 6,528 अभ्यर्थियों के सापेक्ष 5,314 अभ्यर्थी उपस्थित एवं 1,214 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने अभ्यर्थियों की सघन जांच, बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था, कंट्रोल रूम की गतिविधियों तथा परीक्षा केंद्रों पर तैनात अधिकारियों की सतर्कता का निरीक्षण किया।

प्राचीन त्रिपुरी धाम में हुआ महाप्रसाद का वितरण, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद

(यंग भारत न्यूज)

जालौन। ग्राम मालपुर स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्री संकट हरण ज्ञान गुण सागर हनुमान मंदिर त्रिपुरी धाम में ज्येष्ठ माह के छठे बड़े मंगल के अवसर पर भव्य धार्मिक आयोजन का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर हनुमान जी महाराज को विधि-विधान से महाभोग अर्पित किया गया, जिसके पश्चात श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

त्रिपुरी धाम क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र है, जहां मालपुर, पीपरी गहरवार, नौरेजपुर सहित आसपास के अनेक गांवों के श्रद्धालुओं की गहरी आस्था जुड़ी हुई है। बड़े मंगल के अवसर पर मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा और पूरे वातावरण में भक्ति एवं श्रद्धा का माहौल बना रहा। महाप्रसाद वितरण का आयोजन श्री संकट हरण हनुमान मंदिर प्रबंध समिति के वरिष्ठ सदस्यों के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मालपुर से देवेंद्र पाल सिंह, राम नरेश सिंह, मुनेश सिंह, जसवंत सिंह, पीपरी गहरवार से समिति अध्यक्ष कृष्ण गोपाल मिश्र, प्रेमचंद्र त्रिपाठी, करुणेश मिश्रा, धर्मेश मिश्रा तथा नौरेजपुर से राज किशोर सिंह, राम बहादुर राठौर और विजय चंद्र जी (आरएसएस) सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। समिति अध्यक्ष ने बताया कि संस्था का उद्देश्य मंदिर के प्राचीन गौरव एवं ऐतिहासिक महत्व को संरक्षित रखना, मंदिर की भूमि और व्यवस्थाओं को प्रभु सेवा के लिए समर्पित रखना तथा पारदर्शी व्यवस्था के माध्यम से सनातन संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्धन करना है। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं से आह्वान किया कि वे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लें और इस जनकल्याणकारी अभियान से जुड़कर समाज एवं संस्कृति की सेवा करें। कार्यक्रम के अंत में समिति की ओर से सभी श्रद्धालुओं एवं सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इसी प्रकार धर्म एवं समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया गया।

नाबालिक किशोरी को बहला-फुसलाकर भगाकर ले जाने बाले को पुलिस ने दबोचा

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नाबालिग किशोरी को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा कर ले जाने की घटना के फरार आरोपी को नदीगांव पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।नदीगांव थानाध्यक्ष शशिकांत सिंह चौहान ने मुखबिर की सूचना पर उपनिरीक्षक संदीप सिंह सहित पुलिस बल के साथ क्षेत्र के अखनीबा मोड़ के पास से आरोपी आशुतोष पुत्र मंशाराम निवासी ग्राम कटकरी थाना नदीगांव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा आरोपी को जेल भेज दिया गया है। गौरतलब है कि 24 अप्रैल को थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने गिरफ्तार हुए आशुतोष पर अपनी 16 वर्षीय नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर भगा कर ले जाने के मामले में धारा 137(2)/87 बीएनएस में मुकदमा दर्ज कराया था और तभी से वह पुलिस को चकमा दे रहा था, पुलिस लगातार उसकी तलाश में जुटी हुई थी।

भाजपा की मासिक बैठक सम्पन्न

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। भारतीय जनता पार्टी ने जिला कार्यालय पर पार्टी की जिला मासिक बैठक आयोजित की गए जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष उर्विजा दीक्षित ने की जिसमे पार्टी के चल रहे 12साल विश्वास विकाश जनकल्याण के अभियान को गति दी गई अभियान में लगाए गए पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई बैठक के समापन के उपरांत शोक सभा का आयोजन किया गया जिसमे किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष सूर्यनायक के पिता विनोद नायक की आत्मा की शांति को दो मिनट्स का मोहन धारण कर आत्मा को शांति दी गई।

आंधी-तूफान के चलते मकान में दरार पड़ने की शिकायत

डीएम से आर्थिक मदद की लगाई गुहार

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। शहर के एक मोहल्ले में विगत दिनों आयी तेज आंधी तूफान के चलते मकान की छत में दरारें आने की शिकायत सामने आई है। पीड़िता ने जिलाधिकारी को संबोधित प्रार्थना पत्र देकर मामले की जांच कराकर उचित कार्रवाई की मांग की है।

शिकायती पत्र के अनुसार, पीड़िता ने बताया कि गत तेज आंधी तूफान के कारण मकान की छत दरक गयी।प्रार्थनी गरीब महिला है तथा दूसरों के यहां चौंका वर्तन कर भरण पोषण करता है। बताया कि आंधी तूफान के कंपन के कारण उसके मकान की दीवारों में दरारें पड़ गई हैं, जिससे भवन को नुकसान पहुंचा है और परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है।पीड़िता का कहना है कि 2 जून 2026 को दोपहर के समय मकान में अचानक कंपन महसूस हुआ, जिसके बाद दीवारों में दरारें दिखाई देने लगीं। इससे मकान के कमजोर होने की आशंका बढ़ गई है। उन्होंने प्रशासन से मौके पर जांच कराकर नुकसान का आकलन कराने व आर्थिक सहायता उपलब्ध करायें जाने की मांग उठाई है। प्रशासन द्वारा मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

जनसुनवाई में डीएम ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट जनसुनवाई कक्ष में जनसामान्य की समस्याएं गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनीं। जनसुनवाई के दौरान फरियादियों द्वारा राजस्व, पुलिस, विद्युत, पेंशन, आवास, राशन, भूमि विवाद एवं अन्य विभागों से संबंधित शिकायतें प्रस्तुत की गईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण एवं पारदर्शी तरीके से किया जाए।प्रत्येक प्रकरण में स्थलीय जांच कर वास्तविक स्थिति के आधार पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई शासन की प्राथमिकता है, इसलिए शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारी शिकायतकर्ता से संवाद स्थापित कर संतुष्टिपूर्ण निस्तारण कराएं।

सपा के प्रदर्शन के बाद 50 नामजद, 200 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज

कलेक्ट्रेट प्रदर्शन के बाद प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

-पुलिस ने विभिन्न धाराओं में दर्ज किया मुकदमा

(यंग भारत न्यूज)

उरई (जालौन)। समाजवादी पार्टी द्वारा हाल ही में कलेक्ट्रेट परिसर में किए गए प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए 50 नामजद तथा करीब 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोप लगाया है कि प्रदर्शन के दौरान बिना अनुमति बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एकत्र हुए तथा कानून-व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति उत्पन्न हुई।

जानकारी के अनुसार, सपा कार्यकर्ताओं ने पेट्रोल-डीजल, रसोई गैस की बढ़ती कीमतों, बिजली बिल, किसानों की समस्याओं, बेरोजगारी एवं अन्य जनहित के मुद्दों को लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी को देखते हुए प्रशासन ने मामले की जांच कर कार्रवाई की।

पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमे में कई प्रमुख पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को नामजद किया गया है, जबकि 200 अज्ञात लोगों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि प्रदर्शन से संबंधित वीडियो फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर अज्ञात लोगों की पहचान की जा रही है।उधर, सपा नेताओं ने प्रशासन की इस कार्रवाई को राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित बताते हुए विरोध जताया है। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि लोकतांत्रिक तरीके से जनता की समस्याओं को उठाना उनका अधिकार है और मुकदमे दर्ज कर विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है।मामले को लेकर जिले में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है तथा प्रशासन और विपक्ष के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है।

सपा जिलाध्यक्ष ने भाजपा पर निकाली भड़ास

समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष जालौन दीपराज गुर्जर ने प्रेस वार्ता में बताया कि 50 लोगो के दर्ज किया गया तथा 200 लोग अज्ञात है प्रदर्शन जब शांतिपूर्वक था तो कुछ उदाहरण ऐसे भी हैं जैसे विद्यार्थी परिषद के लोग हो या वकीलों के द्वारा एक आंदोलन किया गया मेडिकल कॉलेज की घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी के एक नेता की पिटाई के बाद भारी जन सैलाब उमड़ा। उस आंदोलन में समाजवादी पार्टी ने सहयोग किया भारतीय जनता पार्टी के उन पर मुकदमा नहीं लिखा जाता है हमारे सांसद नारायण दास अहिरवार के कार्यालय के सामने टेंट लगाकर प्रदर्शन किया जाता है तो उन पर मुकदमा नहीं लिखा जाता है आम जन मानव अगर कोई सरकार के खिलाफ आंदोलन करता है जैसे कि माधवगढ़ में प्रीपेड मीटर को लेकर आंदोलन किया गया था उनके खिलाफ भी मुकदमा पंजीकृत किया गया था उसी दिन पूर्व कांग्रेस पार्टी ने महंगाई को लेकर मुद्दा उठाया तो उनके ऊपर भी मुकदमा पंजीकृत किया गया था विपक्ष का कोई आदमी किसी प्रकार से महंगाई शिक्षा स्वास्थ्य के कोई मुद्दे पर बात ना करें जनता हित की बात जब हम उठाने की बात करते हैं तो हम लोगों सत्ताधारी पार्टी हम लोगों पर मुकदमा पंजीकृत लगकर आती है समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष दीपराज गुर्जर ने कहा कि जब हम लोगों ने 6 जून को सिटी मजिस्ट्रेट से एक पत्र के माध्यम से अनुमति मांगी थी और हम लोग शांतिपूर्वक आधे रोड छोड़कर अपना प्रदर्शन कर रहे थे इसके बाद भी हम लोगों पर मुकदमा पंजीकृत किया गया यह कार्यवाही भाजपा की तानाशाही का परिणाम है

कालपी: इतिहास, धर्म और ज्ञान की नगरी आखिर क्यों झेल रही है बदहाली की मार?

-वेदव्यास की तपोभूमि और गौरवशाली विरासत आज विकास की राह देख रही

-टूटी सड़कें, जलभराव और उपेक्षित धरोहरें बढ़ा रही नगरवासियों की चिंता

-पर्यटन, संस्कृति और विकास का संगम बने तो बदल सकती है कालपी की तस्वीर

(यंग भारत न्यूज)

कालपी। यमुना नदी के पवित्र तट पर बसा कालपी नगर भारतीय इतिहास, संस्कृति, धर्म और ज्ञान परंपरा की एक महत्वपूर्ण धरोहर माना जाता है। उत्तर प्रदेश के जालौन जनपद में स्थित यह प्राचीन नगरी सदियों से ऋषि-मुनियों, संतों, विद्वानों और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की कर्मस्थली रही है। इतिहासकारों और धार्मिक परंपराओं के अनुसार कालपी का संबंध महर्षि वेदव्यास की ज्ञान परंपरा से माना जाता है।ऐसी मान्यता है कि इस क्षेत्र में वैदिक ज्ञान, पुराणों, महाभारत तथा गीता की परंपराओं का संरक्षण और प्रचार-प्रसार हुआ। यही कारण है कि कालपी को केवल एक नगर नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता और संस्कृति के जीवंत प्रतीक के रूप में देखा जाता है।

इतिहास के स्वर्णिम अध्यायों में अपना विशिष्ट स्थान रखने वाली यह नगरी आज अनेक समस्याओं से जूझ रही है। नगर की आधारभूत सुविधाओं की स्थिति को लेकर आमजन में लगातार असंतोष देखने को मिलता है। नगर की कई प्रमुख सड़कों पर गड्ढे और क्षतिग्रस्त मार्ग लोगों की परेशानी का कारण बने हुए हैं। बरसात के मौसम में अनेक मोहल्लों और मार्गों पर जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है और लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

नगर की सफाई व्यवस्था को लेकर भी समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। कई स्थानों पर कूड़ा निस्तारण और नियमित सफाई की व्यवस्था अपेक्षित स्तर पर दिखाई नहीं देती। स्थानीय लोगों का मानना है कि यदि नगर की सफाई व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए तो कालपी की छवि में बड़ा सुधार आ सकता है।

कालपी की सबसे बड़ी पहचान उसकी ऐतिहासिक और धार्मिक धरोहरें हैं।यहां स्थित प्राचीन मंदिर, ऐतिहासिक स्मारक, यमुना तट और सांस्कृतिक स्थल हजारों वर्षों की विरासत को अपने भीतर समेटे हुए हैं। बावजूद इसके, इन धरोहरों के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और प्रचार-प्रसार की दिशा में अपेक्षित कार्य नहीं हो पा रहा है। कई ऐतिहासिक स्थलों पर मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, जिससे बाहर से आने वाले पर्यटकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि कालपी के ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व को ध्यान में रखते हुए पर्यटन विकास की समग्र योजना बनाई जाए तो यह नगर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में शामिल हो सकता है। यमुना तट का सौंदर्यीकरण, प्राचीन मंदिरों का संरक्षण, ऐतिहासिक स्थलों का विकास तथा सांस्कृतिक आयोजनों को बढ़ावा देकर यहां रोजगार और आर्थिक गतिविधियों के नए अवसर भी सृजित किए जा सकते हैं। नगरवासियों के मन में आज कई सवाल उठ रहे हैं। क्या कालपी की पहचान केवल इतिहास की पुस्तकों तक सीमित होकर रह जाएगी ? क्या हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को आधुनिक विकास के साथ जोड़ा जा सकेगा ? क्या नगर की मूलभूत समस्याओं का स्थायी समाधान निकलेगा ? और सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस धरती को ज्ञान, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना की भूमि कहा जाता है, क्या वह अपनी खोई हुई पहचान और गौरव को फिर से प्राप्त कर पाएगी ? इन प्रश्नों का उत्तर केवल प्रशासन, जनप्रतिनिधियों या सरकारी योजनाओं में ही नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी में भी निहित है। विरासत संरक्षण, पर्यटन विकास और आधुनिक सुविधाओं के बीच संतुलन स्थापित कर कालपी को नई पहचान दी जा सकती है। आवश्यकता इस बात की है कि नगर के ऐतिहासिक महत्व को समझते हुए दीर्घकालिक विकास योजनाएं बनाई जाएं और उन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। कालपी का अतीत जितना गौरवशाली रहा है, उसका भविष्य भी उतना ही उज्ज्वल हो सकता है। यदि समय रहते नगर की समस्याओं का समाधान किया गया और इसकी सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित कर पर्यटन से जोड़ा गया, तो कालपी एक बार फिर इतिहास, धर्म और ज्ञान की नगरी के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर सकती है।

श्रीमद्भागवत कथा के महात्म्य और राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग का वर्णन किया

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। क्षेत्रीय ग्राम भदवां में आयोजित साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा के दूसरे दिन कथा व्यास पंडित अशोक कुमार शास्त्री ने श्रीमद्भागवत कथा के महात्म्य और राजा परीक्षित के जन्म प्रसंग का वर्णन किया।

दूसरे दिन कथा व्यास पंडित अशोक शास्त्री ने भागवत कथा का महात्म्य बताते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत पुराण केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को सही दिशा देने वाला दिव्य ज्ञान है। भागवत कथा मनुष्य को धर्म, सत्य, करुणा और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास के साथ भागवत कथा का श्रवण करता है, उसके जीवन के अनेक कष्ट स्वतः ही दूर होने लगते हैं और मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। भागवत कथा के श्रवण से व्यक्ति का अंतर्मन शुद्ध होता है और उसे ईश्वर के निकट होने का अनुभव प्राप्त होता है। राजा परीक्षित के जन्म की कथा का वर्णन कर बताया कि राजा परीक्षित का जन्म महाभारत युद्ध के बाद हुआ था। अश्वत्थामा द्वारा छोड़े गए ब्रह्मास्त्र से गर्भ में स्थित शिशु को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं गर्भ में प्रवेश कर बालक की रक्षा की। इसी कारण बालक का नाम परीक्षित पड़ा, क्योंकि वह जन्म से ही भगवान का साक्षात दर्शन कर चुका था। राजा परीक्षित की कथा हमें यह सिखाती है कि ईश्वर अपने भक्तों की हर परिस्थिति में रक्षा करते हैं और सच्चे भक्त को कभी निराश नहीं करते। इस मौके पर पारीक्षित रमादेवी, सत्यप्रकाश निरंजन, विजयशंकर, अंबिका प्रसाद, रामनरेश, बृजकिशोर, अवध किशोर, रामप्रताप, राजकुमार, किशोर सिंह, गुलाब सिंह पटेल, चंद्रमोहन, अनिल, विश्वजीत आदि रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की पात्रता सूची अब ग्राम पंचायत सचिवालयों पर देख सकेंगे ग्रामवासी

20 जून से ग्राम सभाओं की खुली बैठकों का होगा आयोजन, सर्वेक्षण कार्य पूर्ण होने के बाद तैयार होगी स्थायी पात्रता सूची

(यंग भारत न्यूज)

उरई। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत जनपद में पात्र लाभार्थियों के चयन की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं जनसहभागिता आधारित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। योजना के तहत वर्ष 2024 के सर्वेक्षण का कार्य जनपद की सभी 574 ग्राम पंचायतों में सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। अब ग्राम सभा स्तर पर खुली बैठकों के माध्यम से स्थायी पात्रता सूची तैयार की जाएगी, जिसकी जानकारी एवं सूची ग्रामवासी अपनी-अपनी ग्राम पंचायतों के सचिवालयों पर देख सकेंगे। परियोजना निदेशक अखिलेश तिवारी ने बताया कि सर्वेक्षण के उपरांत ग्राम सभाओं की खुली बैठकें निर्धारित रोस्टर के अनुसार 20 जून 2026 से आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में सर्वेक्षण के आधार पर तैयार पात्रता सूची का सार्वजनिक परीक्षण किया जाएगा तथा ग्रामीणों द्वारा प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों पर भी विचार किया जाएगा, जिससे पात्र लाभार्थियों का चयन निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से सुनिश्चित हो सके। उन्होंने बताया कि ग्राम सभा की खुली बैठकों की तिथि एवं अन्य आवश्यक जानकारी संबंधित विकास खंड कार्यालयों एवं ग्राम पंचायत सचिवालयों पर उपलब्ध रहेगी। ग्रामीणजन अपनी ग्राम पंचायत सचिवालय में जाकर पात्रता सूची का अवलोकन कर सकते हैं तथा किसी प्रकार की त्रुटि या आपत्ति होने पर निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपनी बात रख सकते हैं। परियोजना निदेशक ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का उद्देश्य समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को सम्मानजनक आवास उपलब्ध कराना है। शासन की मंशा है कि कोई भी पात्र परिवार योजना के लाभ से वंचित न रहे। इसके लिए चयन प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी, जवाबदेह एवं जनसहभागिता आधारित बनाया गया है। उन्होंने जनपदवासियों से अपील की कि वे ग्राम सभाओं की खुली बैठकों में बढ़-चढ़कर भाग लें और पात्र परिवारों को योजना का लाभ दिलाने में सहयोग प्रदान करें, ताकि 'हर गरीब का अपना पक्का मकान' का सपना साकार हो सके।

कला और संस्कृति समाज को जोड़ने का प्रभावी माध्यम -- सानिया सलमानी

(यंग भारत न्यूज)

कोंच भारतीय जन नाट्य संघ इप्टा इकाई कोंच व कोंच इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय कमला नेहरु बाल एवं युवा रंगकर्मी नाट्य कार्यशाला में प्रतिभागियों को विभिन्न विधाओं के गुर सिखाये गए।कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए कार्यशाला संयोजक पारसमणि अग्रवाल ने कहा कि नियमित अभ्यास और अनुशासन किसी भी कलाकार की सफलता की आधारशिला होते हैं।उन्होंने बच्चों को अपने विचारों को रचनात्मक रूप से अभिव्यक्त करने और समाज के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित किया।रंगकर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान करते हुए प्रशिक्षक सानिया सलमानी ने कहा कि कला और संस्कृति समाज को जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से युवाओं में नेतृत्व क्षमता टीम भावना और सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूकता विकसित होती है।इप्टा अध्यक्ष अनिल कुमार वैद एड ने कहा कि कार्यशाला में प्रतिभागियों को नाटक मंचन, संगीत, नृत्य, क्राफ्ट तथा व्यक्तित्व विकास से संबंधित विशेष सत्रों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य बच्चों और युवाओं में छिपी प्रतिभाओं को निखारकर उन्हें एक सशक्त मंच उपलब्ध कराना है।इस अवसर पर दानिश, कैफ, सानिया, सलमानी, वर्षा, नाहर, प्रियंका चौधरी, पूनम देवी, परी, आफरीन, पलक, नसरीन, नखत, महक, जीनत, निशि, आलिया, अनामिका, प्रयाँसी, नैंसी, हिमांशी, सौम्या, माही, शादाब, हेमंत कौशल, अर्श, काव्या द्विवेदी, चेतन द्विवेदी आदि उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के 10 वर्ष पूर्ण होने पर सीएचसी में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच गर्भवती महिलाओं को बेहतर और सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान के सफल 10 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अनिल शाक्य के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में गर्भवती महिलाओं ने हिस्सा लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।शिविर में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें सुरक्षित मातृत्व के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान की। इस दौरान डॉ. सविता पटेल, डॉ. अल्का द्विवेदी एवं डॉ. रीता ने महिलाओं की जांच कर गर्भावस्था के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, संतुलित आहार और नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।अभियान के अंतर्गत सभी महिलाओं की प्रसव पूर्व देखभाल (एएनसी) से संबंधित आवश्यक जांचें निःशुल्क की गईं। महिलाओं का ब्लड प्रेशर, हीमोग्लोबिन और ब्लड शुगर टेस्ट कराया गया तथा आवश्यक दवाइयों के साथ पोषण संबंधी परामर्श भी दिया गया। शिविर में आई सभी गर्भवती महिलाओं को फल और बिस्कुट वितरित किए गए।इस अवसर पर क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आई गर्भवती महिलाओं ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। इनमें संजना (चमड़ा), नेहा (कोंच), कीर्ति (अमीटा) तथा सरस्वती (सरोती) सहित कई महिलाएं शामिल रहीं।डॉ. अल्का द्विवेदी ने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक गर्भवती महिला तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाना है। उन्होंने कहा कि नियमित जांच और समय पर चिकित्सा परामर्श से सुरक्षित मातृत्व सुनिश्चित किया जा सकता है।

पाइप लाइन बिछाने के बाद खोदे गए गड्ढों को तत्काल भरवाने की मांग

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई ।नगर के विभिन्न क्षेत्रों में जल निगम द्वारा पाइप लाइन बिछाने के बाद खोदे गए गड्ढों को तत्काल भरवाने और गलियों की मरम्मत किए जाने की शिकायत नगर के लोगों ने डीएम को शिकायती पत्र भेजकर की है।

नगर क्षेत्र के मोहल्ला मुरलीमनोहर निवासी अशफाक राईन ने डीएम राजेश पांडेय को शिकायती पत्र भेजकर लिखा कि नगर के विभिन्न मोहल्लों में जल निगम द्वारा हर घर जल योजना के अंतर्गत पाइप लाइन एवं घरेलू नल कनेक्शन का कार्य कराया जा रहा है। लेकिन कार्यदायी संस्था द्वारा पाइप लाइन डालने के लिए सड़कों एवं गलियों के किनारे जो गड्ढे खोदे गए हैं, उन्हें कार्य पूर्ण होने के बाद भी ठीक प्रकार से नहीं भरा गया है। कई स्थानों पर सड़कें एवं गलियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं, मिट्टी धंस रही है और पाइप लाइन डालने के बाद छोड़े गए गड्ढों के कारण लोगों को दिक्कत हो रही है। आगे बारिश के मौसम में निकट होने के कारण इन गड्ढों में पानी भरने, सड़क धंसने तथा दुर्घटनाएं होने की आशंका और अधिक बढ़ गई है। मांग की गई कि पाइप लाइन बिछाने के बाद खोदे गए गड्ढों को तत्काल भरवाया जाए और गलियों की मरम्मत की जाए।

तालाब की सफाई कराने व पानी में दवा डलवाने की मांग की

(यंग भारत न्यूज)

जालौन-उरई। नगर के वार्ड तीन में स्थित तालाब में सफाई न होने से उसमें भरा पानी से बदबू देने लगा है। बदबू के कारण सुबह शाम टहलने वाले व बैठने वालों को दिक्कत हो रही है। आसपास के लोगों ने तालाब की सफाई कराने व पानी में दवा डलवाने की मांग की है। नगर के चुर्खी रोड के पास मोहल्ला जोशियाना में वार्ड तीन में तालाब स्थित है। इस तालाब के सुंदरीकरण के बाद लोग यहां सुबह शाम घूमने के लिए जाते हैं। तालाब के पास ही लाइब्रेरी संचालित हो रही है। लाइब्रेरी संचालित होने के कारण छात्र, छात्राओं की भीड़ रहती है। तालाब में मौजूद पानी को बदला नहीं गया है, सफाई भी नियमित नहीं होती है। यही कारण है कि तालाब में भरे पानी से बदबू आने लगी है। इससे तालाब पर घूमने आने वाले लोगों के साथ ही आसपास रहने वाले लोगों को भी बदबू से परेशान होना पड़ता है। मोहल्लावासी अनिल कुमार, दीपक कुमार, मनीष परिहार, पवन कुमार, प्रखर ने मांग करते हुए कहा कि तालाब के पानी को बदलवाया जाए। जब तक पानी नहीं बदला जाता है, तब तक तालाब की सफाई करा दी जाए और उसमें दवा डलवा दी जाए।

भाकीयू ने बैठक कर बिजली-पानी, डीजल-पेट्रोल जैसी समस्याओं पर चर्चा की

बीडीओ को सौपा ज्ञापन

(यंग भारत न्यूज)

कोंच नदीगांव ब्लॉक कार्यालय में भारतीय किसान यूनियन की मासिक पंचायत संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता गिरधारी लाल फौजी ने की। पंचायत में मौजूद क्षेत्र के किसानों ने बिजली-पानी, डीजल-पेट्रोल आदि समस्याओं को लेकर चर्चा की। स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों पर भी चर्चा हुई। किसानों ने विभिन्न समस्याएं पंचायत के पटल पर रखते हुए गांव में नाला निर्माण, साफ सफाई, श्मशान घाट, गौशाला, क्रीड़ा स्थल, सड़क निर्माण आदि को लेकर ध्यान आकर्षित कराया। पंचायत उपरांत भाकियू पदाधिकारियों ने बीडीओ नदीगांव गजेंद्र प्रताप सिंह को एक ज्ञापन सौंपा जिसमें क्षेत्र की समस्याओं का त्वरित समाधान करने की मांग की गई। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष नदीगांव अनुरुद्ध सिंह, गिरधारी लाल फौजी, हरविजय, रामप्रकाश कुशवाहा, रामशंकर कुशवाहा, अशोक राज, राहुल, बाबूराम बाथम, कृष्णकुमार कुशवाहा आदि किसान मौजूद रहे।'

महिला का शव फंदे पर लटका मिला,ससुरालीजनों पर मुकदमा दर्ज

(यंग भारत न्यूज)

कोंच सर्किल के नदीगांव थाना क्षेत्र के ग्राम लोहई में एक 24 वर्षीय महिला का शव फंदे पर लटका मिलना। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला के मायके वालों ने ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी जिस पर पुलिस ने ससुरालीजनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।बताया गया है कि मृतका की शादी तीन साल पहले हुई थी लेकिन उसको कोई संतान नहीं हुई थी। ग्राम लोहई निवासी अनुराधा उम्र 24 वर्ष पत्नी अखिलेश का शव उसके कमरे में गेट के बगल से लगी खूंटी पर फंदे पर लटकता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लिया। घटना की जानकारी होते ही महिला के मायके वाले मौके पर पहुंचे गए और ससुरालीजनों पर हत्या का आरोप लगाया। सूचना पर फील्ड यूनिट की टीम भी मौके पर पहुंच गई और साक्ष्य जुटाए। नायब तहसीलदार वैभव गुप्ता ने मौके पर पहुंच कर कार्रवाई की उसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया गया कि महिला के कमरे में लगे गेट के बगल से खूंटी से दुपट्टे का फंदा डला था। महिला की शादी तीन साल पहले हुई और उसके कोई संतान नहीं थी। मायके वालों ने ससुरालीजनों के खिलाफ हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी जिस पर पुलिस ने पति अखिलेश, ससुर हरिमोहन, ननद दीक्षा और सास के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।वही कुछ लोगों को हिरासत में भी लिया गया है।

प्रेमिका से मिलने आए युवक की हत्या, युवती के तीन चाचा ने दिया वारदात को अंजाम; जुगाड़ पर लादकर शव फेंका

(यंग भारत न्यूज)

बागपत। प्रेमिका से मिलने गए युवक की गला घोंटकर निर्मम हत्या कर दी गई। विरोध करने पर आरोपितों ने अपनी भतीजी की भी पिटाई की। घटना की भनक न लगे, इसलिए युवक के शव को बाइक जुगाड़ पर लादकर थोड़ी दूरी पर खाली प्लाट में फेंक दिया।सीसीटीवी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर घटना की पोल खुल गई।बागपत के मुहल्ला केतीपुरा निवासी 22 वर्षीय शाहजान पुत्र इरफान बड़ौत रोड पर चाट की ठेली लगाता था। स्वजन के मुताबिक शहजान रविवार रात एक शादी समारोह में शामिल हुआ था। रात करीब 11.30 बजे मैरिज होम से अपनी चाची बिल्लो और चचेरी बहन अलीजा को बाइक से घर छोड़ने के बाद चला गया था, फिर वापस नहीं लौटा।

सुबह उसका शव एकता कालोनी में मदरसे के निकट खाली प्लाट में पड़ा मिला, जिसके हाथ-पैर एक जगह रस्सी से बंधे थे। महिला सफाईकर्मी वहां पर पहुंची तो उसने शव देखकर शोर मचा दिया। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। सीओ विजय चौधरी व कोतवाली प्रभारी बृजेश कुमार ने वहां पहुंचकर शहजान के शव को कब्जे में लिया। सोशल मीडिया पर फोटो वायरल होने पर पीड़ित स्वजन ने उसकी पहचान की। पुलिस ने रास्ते में लगे सीसीटीवी की फुटेज चेक की तो बाइक जुगाड़ पर कपड़े में लपेटकर शव ले जाते हुए दो युवक दिखाई दिए, जिसकी पहचान शहर के एक मुहल्ले के ही रहने वालों के रूप में हुई है। पीड़ित इकबाल का कहना है कि भतीजे शहजान की आरोपितों ने गोला-लाठी लगाकर हत्या की है, क्योंकि हाथ-पैर एक साथ बांध रखे थे, हालांकि उनके बीच डंडा नहीं मिला। ऐसा क्यों किया, इसकी जानकारी नहीं है। उधर सीओ विजय चौधरी का कहना है कि पकड़े गए आरोपित तीन सगे भाई हैं। आरोपितों ने जानकारी दी कि उनकी भतीजी से रात को मिलने आए शहजान की पिटाई करने के बाद रस्सी से गला घोंटकर हत्या की है। रस्सी से पैर बांधकर बाइक जुगाड़ से प्लाट में डालकर भाग गए थे। घटना में अन्य कोई शामिल तो नहीं, इसकी जांच चल रही है। हत्या से पहले युवक के गोला-लाठी लगाने की बात अभी तक सामने नहीं आई है।शाहजान के पिता इरफान बीमार रहते हैं। दो बहनों का निकाह हो चुका है। एक छोटा भाई शाबान है। परिवार की जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी। उसकी हत्या से परिवार पूरी तरह से टूट गया। घटना से परिवार में कोहराम मचा है। पीड़ित स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल हो रहा है। किसी व्यक्ति के हाथ-पैर एक साथ बांधकर उनके बीच में डंडा फंसा दिया जाता है। इससे व्यक्ति को बहुत पीड़ा होती है। यह अमानवीय कृत्य की श्रेणी में आता है। आमतौर पर इसे गोला-लाठी लगाना बोला जाता है।

मर्डर का केस और मां-बहू पर शक... लेकिन हजारों किलोमीटर दूर मिला ऐसा सच, पुलिस भी रह गई हैरान

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के बस्ती जिले से एक मर्डर मिस्ट्री का पर्दाफाश हुआ है. पुलिस की जांच में ऐसा खुलासा हुआ, जिसने पूरे परिवार को चौंका दिया. दरअसल शिकायत में जिसका कत्ल बताया जा रहा था, वो जिंदा निकला. दरअसल बस्ती जिले में एक मां ने बहू पर हत्या का आरोप लगाया, तो बहू ने सास पर साजिश रचने का इल्जाम लगा दिया, लेकिन जब पुलिस ने इलेक्ट्रॉनिक सबूतों और तकनीकी जांच की परतें खोलीं, तो सच हजारों किलोमीटर दूर केरल में मिला. बस्ती के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र से जुड़े इस मामले में मोहम्मद इरफान के लापता होने के बाद परिवार में बवाल मच गया. मां को शक था कि बहू ने उसके बेटे को रास्ते से हटा दिया है, जबकि बहू का आरोप था कि सास ने ही हत्या कराई है.दोनों पक्षों के आरोपों के बीच पुलिस के सामने एक बड़ी चुनौती थी कि आखिर सच क्या है. पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन, बैंक खातों और इलेक्ट्रॉनिक

एविडेंस की गहन पड़ताल शुरू की. जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी, वैसे-वैसे कहानी का रुख बदलता गया. पुलिस को ऐसे सुराग मिले, जिन्होंने कथित हत्या की पूरी थ्योरी पर सवाल खड़े कर दिए.जांच के दौरान इरफान की लोकेशन हजारों किलोमीटर दूर केरल में मिली. इसके बाद पुलिस टीम को तत्काल रवाना किया गया. वहां पहुंचकर पुलिस ने इरफान को सकुशल बरामद कर लिया. पूछताछ में उसने बताया कि घर में पत्नी और मां के बीच लगातार हो रहे विवाद से वह परेशान था और बिना किसी को बताए घर छोड़कर केरल चला गया था, जहां वह पेंटिंग का काम कर अपना गुजारा कर रहा था यानि जिस मामले को हत्या समझा जा रहा था, वह पारिवारिक विवाद और गलतफहमी का नतीजा निकला.बस्ती पुलिस की तकनीकी जांच और सतर्कता ने न सिर्फ एक कथित मर्डर मिस्ट्री का पर्दाफाश किया, बल्कि एक जिंदा शख्स को भी उसके परिवार तक पहुंचा दिया. बेटे को जिंदा पाकर मां ने मुख्यमंत्री और पुलिस प्रशासन को उनके बेटे को ढूंढ निकालने के बाद धन्यवाद दिया. सीओ सत्येंद्र भूषण तिवारी ने बताया कि मोहम्मद इरफान का अपनी पत्नी और परिवारवालों से लगातार विवाद चल रहा था. एक दिन वह चुपके से बिना किसी को बताए केरल चला गया. पुलिस ने इस मामले में इरफान के हत्या का मुकदमा दर्ज किया था. जांच के दौरान उनका पुराना मोबाइल नंबर, ईएमआई और बैंक अकाउंट में डिटेल से एविडेंस जुटाए गए और इससे पता चला कि इरफान को मौत नहीं हुई है, बल्कि वह केरल में पेंटिंग कर अपना जीवन गुजार रहा है. पुलिस ने इरफान को जिंदा बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है.

10 साल लिव इन, 3 बार अबॉर्शन और फिर धोखा...हिंदू मॉडल को एक्ट्रेस बनाने का झांसा देकर वासिल करता रहा रेप, 60 लाख रुपये ऐंठ कर लिया मेहविश से निकाह

(यंग भारत न्यूज)

मेरठ। प्रदेश के मेरठ जिले के सरधना क्षेत्र की रहने वाली एक युवती ने वासिल नाम के युवक पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उसके मुताबिक, मुस्लिम युवक ने शादी का झांसा देकर उसे 10 सालों तक प्रेम जाल में फंसाया हुआ था। इस दौरान उसने न सिर्फ उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए, बल्कि लाखों रुपये की ठगी भी की। युवती ने वासिल और उसके परिवार के खिलाफ लव जिहाद की साजिश, धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने, तीन बार अबॉर्शन कराने और 50 से 60 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई है।

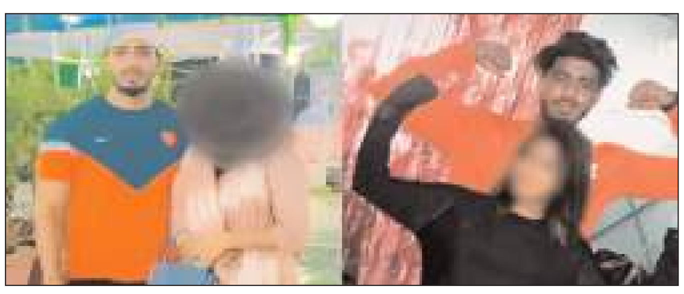

युवती ने पुलिस को दी अपनी शिकायत में बताया कि वो साल 2015 में दिल्ली में मॉडलिंग कर रही थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात मेरठ के सरधना के रहने वाले वासिल से हुई, जो मॉडलिंग क्षेत्र में ही काम करता था। इस दौरान दोनों की दोस्ती हुई और फिर नजदीकियां बढ़ीं। आरोप है कि वासिल एक्ट्रेस बनाने का सपना दिखाकर उसे मुंबई में ले गया। साल 2016 में दोनों 'मायानगरी' में साथ रहने लगे। इस दौरान वासिल ने शादी का वादा कर उसके साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता के मुताबिक, मॉडलिंग के दौरान वो अच्छा खासा कमाने लगी। इस कमाई का बड़ा हिस्सा वासिल और उसके परिवार पर खर्च होता था। इसके बाद साल 2017 में युवती प्रेग्नेंट हुई और उसने वासिल पर शादी करने का दबाव बनाया। लेकिन आरोपी और उसके परिवार ने शादी की बात टालकर बदनामी का हवाला देते हुए उसका अबॉर्शन करा दिया। आरोपी ने युवती का एक नहीं, बल्कि तीन-तीन बार अबॉर्शन कराया। आरोप है कि करीब 10 सालों के दौरान उससे लगभग 50 से 60 लाख रुपये ले लिए गए, लेकिन बदले में सिर्फ शादी के वादे मिलते रहे। पीड़िता के मुताबिक, 21 मई 2026 को आखिरकार वह वासिल के घर पहुंची और वहां करीब 12 दिन तक रही। इसी बीच उसे मोहल्ले के लोगों से मालूम हुआ कि आरोपी की शादी पहले ही मेहविश नाम की लड़की से कर दी गई है। इस शादी का विरोध करने पर उसके साथ मारपीट और गाली-गलौज की गई। इतना ही नहीं, उसे आरोपी और उसके परिवार ने जान से मारने तक की धमकी दी।

गोरखपुर में मां के ब्रह्मभोज पर खूनी संघर्ष, बड़े भाई ने छोटे की गोली मारकर की हत्या

(यंग भारत न्यूज)

गोरखपुर। पिपराइच थाना क्षेत्र के बड़की रेवतहिया गांव में मंगलवार दोपहर मां के ब्रह्मभोज को लेकर हुए विवाद में बड़े भाई ने छोटे भाई को गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल युवक को मेडिकल कॉलेज के नेहरू अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद आरोपित फरार हो गया। गांव में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बड़की रेवतहिया गांव निवासी 23 वर्षीय शुभम शर्मा पुत्र कोमल शर्मा की मां का हाल ही में निधन हुआ था। मंगलवार को उनका ब्रह्मभोज होना था। इसी कार्यक्रम के आयोजन को लेकर चार भाइयों में विवाद चल रहा था। स्वजन और ग्रामीणों के अनुसार शुभम और उसका एक भाई ब्रह्मभोज एक साथ करने के पक्ष में थे, जबकि बड़े भाई दुर्गविजय शर्मा और एक अन्य भाई अलग-अलग कार्यक्रम कराने की बात कह रहे थे। इसी बात को लेकर मंगलवार दोपहर कहासुनी शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक हो गई। आरोप है कि विवाद के दौरान दुर्गविजय शर्मा ने तमंचा निकालकर शुभम पर गोली चला दी। सीने में गोली लगते ही वह लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। घटना से परिवार और गांव में अफरा-तफरी मच गई। स्वजन आनन-फानन में उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पिपराइच पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और आरोपित की तलाश शुरू कर दी। वारदात के बाद से आरोपित घर छोड़कर फरार है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच में ब्रह्मभोज के आयोजन को लेकर पारिवारिक विवाद सामने आया है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। गांव में किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। ग्रामीणों के अनुसार परिवार में चार भाई हैं। मां के निधन के बाद मंगलवार को ब्रह्मभोज का कार्यक्रम रखा गया था। स्वजन शोक में डूबे थे, लेकिन आयोजन को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि छोटे भाई की जान चली गई। मां के ब्रह्मभोज वाले दिन हुई इस घटना से पूरे गांव में शोक और स्तब्धता का माहौल है।

बहन के सामने भाई ने जीजा के सिर में सटाकर मारी गोली, सहारनपुर में परीक्षा केंद्र पर मची अफरातफरी!

(यंग भारत न्यूज)

प्रदेश के सहारनपुर जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां पुलिस भर्ती परीक्षा देकर परीक्षा केंद्र से बाहर निकली पत्नी के सामने ही उसके पति की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई।शामली जिले के रहने वाले 24 वर्षीय शिव कुमार अपनी पत्नी आकांक्षा को परीक्षा दिलाने सहारनपुर आए थे। परीक्षा खत्म होने के बाद दोनों जैसे ही घर लौटने के लिए अपनी स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार हुए, तभी हाईवे के पास घात लगाए हमलावर ने शिव कुमार के सिर में सटाकर गोली मार दी।

इस खूनी वारदात के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और परीक्षा केंद्र के बाहर भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हो गई। आइए जानतें हैं ऑनर किलिंग के इस खौफनाक मामले को लेकर पुलिस ने अब तक क्या कार्रवाई की है...जानकारी के मुताबिक, शामली के बाबरी थाना क्षेत्र का रहने वाला शिव कुमार अपनी पत्नी आकांक्षा का पुलिस भर्ती का पेपर दिलाने सहारनपुर के गोचर इंटर कॉलेज पहुंचा था। परीक्षा के दौरान शिव कुमार पूरे समय केंद्र के बाहर ही अपनी गाड़ी के पास पत्नी का इंतजार करता रहा। परीक्षा समाप्त होने के बाद आकांक्षा बेहद खुश होकर बाहर आई और अपने सुनहरे भविष्य का सपना लिए दोनों स्कॉर्पियो गाड़ी में बैठकर घर के लिए रवाना हुए। लेकिन उन्हें क्या पता था कि मौत रास्ते में ही उनका इंतजार कर रही है।बताया जा रहा है कि जैसे ही उनकी स्कॉर्पियो गाड़ी हाईवे पर चढ़ने लगी, तभी आकांक्षा का सगा भाई मंजीत वहां अचानक धमक पड़ा। रिपोर्ट्स के अनुसार, मंजीत ने आकांक्षा को घर चलने के लिए कहा। दोनों के बीच कहासुनी हुई। जब शिव कुमार बीच में आया तो मंजीत ने अपने जीजा के सिर में सटाकर गोली दाग दी। गोली लगते ही शिव कुमार लहुलूहान होकर सीट पर ही गिर गया।अचानक हुई इस फायरिंग से मौके पर मौजूद लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और घायल शिव कुमार को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर

दिया।रिपोर्ट्स के अनुसार, इस खौफनाक हत्याकांड के पीछे प्रेम विवाह (स्न1द्ग रूड्डह्म्द्बड्डद्दद्ग) की रंजिश की बात सामने आ रही है। मृतक की पत्नी आकांक्षा ने रोते हुए पुलिस को बताया कि उसने करीब चार महीने पहले शिव कुमार से लव मैरिज की थी। दोनों एक-दूसरे से बेहद प्यार करते थे और अपने उज्जवल भविष्य के सपने देख रहे थे। हालांकि, इस शादी से आकांक्षा के मायके वाले सख्त खिलाफ थे और लगातार इस रिश्ते का विरोध कर रहे थे। आकांक्षा का आरोप है कि इसी पारिवारिक नाराजगी और रंजिश के चलते उसके भाई मंजीत ने उसके सुहाग को उजाड़ दिया।दूसरी तरफ, मृतक शिव कुमार के भाई शिवम कुमार ने भी इस पूरी घटना को ऑनर किलिंग और एक सोची-समझी साजिश बताया है। उनका आरोप है कि प्रेम विवाह से नाराज लड़की के घरवालों ने योजनाबद्ध तरीके से इस हत्याकांड को अंजाम दिया है। उन्होंने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने पूरे जिले को झकझोर कर रख दिया है। जिस दिन आकांक्षा अपने पुलिस बनने का सपना लेकर परीक्षा देने आई थी, उसी दिन उसकी आंखों के सामने उसकी दुनिया उजड़ गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस के आला अधिकारी तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर वहां से अहम साक्ष्य जुटाए हैं। मामले की वैज्ञानिक जांच के लिए फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कौन था भानु प्रताप सिंह? जिसे स्ञ्जस्न ने एनकाउंटर में किया ढेर; कई जिलों की पुलिस ने रखा था इनाम

(यंग भारत न्यूज)

अयोध्या में एसटीएफ के साथ हुई मुठभेड़ में मारा गया बदमाश भानुप्रताप सिंह उर्फ बबलू सिंह सुपारी लेकर हत्या करने वाला शातिर अपराधी था। उसने सुपारी लेकर मुबारकपुर थाना क्षेत्र में दूध व्यवसायी पतिराज यादव की गोली मारकर हत्या की थी।

इस मामले में आईजी वाराणसी ने उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। इसके अलावा अंबेडकरनगर में उस पर 50 हजार और गोरखपुर में 15 हजार रुपये का इनाम घोषित था। उसके विरुद्ध विभिन्न जनपदों में कुल 34 आपराधिक मुकदमे दर्ज थे, जिनमें आजमगढ़ में हत्या, लूट समेत 11 मुकदमे शामिल हैं। मुबारकपुर थाना क्षेत्र के पियरोपुर गांव के रहने वाले दूध व्यवसायी पतिराज यादव की 27 अक्तूबर 2025 की सुबह मंझरिया के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने पांच नामजद और तीन अज्ञात आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। विवेचना के दौरान सुपारी लेकर हत्या करने वाले गोरखपुर जिले के बेलघाट थाना क्षेत्र के विधानापार निवासी भानुप्रताप सिंह उर्फ बबलू सिंह का नाम प्रकाश में आया था। घटना के बाद से वह फरार चल रहा था और पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। पुलिस के अनुसार भानुप्रताप कई अन्य संगीन वारदातों में भी शामिल रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पहले 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। बाद में 25 मई 2026 को डीआईजी आजमगढ़ ने इनाम राशि बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दी। इसके बाद दो जून 2026 को आईजी वाराणसी ने उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। आजमगढ़ में उसके विरुद्ध पहला मुकदमा वर्ष 2019 में बिजली थाना क्षेत्र में दर्ज हुआ था। वर्ष 2020 में कप्तानगंज थाना क्षेत्र में चोरी तथा 2021 में अतरौलिया थाना क्षेत्र में जानलेवा हमले का मुकदमा दर्ज किया गया। साल-2023 में उसने अहरौला थाना क्षेत्र में दो तथा महाराजगंज थाना क्षेत्र में लूट की चार घटनाओं को अंजाम दिया था। वर्ष 2025 में उसने मुबारकपुर थाना क्षेत्र में पतिराज यादव की हत्या की वारदात को अंजाम दिया। एसएसपी डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि भानुप्रताप सिंह उर्फ बबलू सिंह जिले के कई मामलों में वांछित था। जांच में सामने आया था कि पतिराज यादव के कुछ रिश्तेदारों ने उसे हत्या की सुपारी दी थी, जिसके बाद उसने वारदात को अंजाम दिया था। शातिर अपराधी भानु प्रताप सिंह का एनकाउंटर प्रयागराज एसटीएफ ने किया। एसटीएफ को भानु प्रताप के बारे में सूचना मिली थी। इस सूचना के आधार पर भानु की घेराबंदी की गई। पुलिस की घेराबंदी देख भानु ने सरेंडर करने की बजाए गोलियां चलानी शुरू कर दीं। एसटीएफ की जवाबी फायरिंग में वह घायल हो गया। एसटीएफ टीम उसे अस्पताल ले गई जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्यार, भरोसा और फिर धोखा! खुद को कुंवारा बताकर महिला सिपाही से बनाए शारीरिक संबंध, पुलिसकर्मी सस्पेंड

(यंग भारत न्यूज)

कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने वाली खाकी वर्दी से समाज भरोसे और पारदर्शिता की उम्मीद करता है. लेकिन बरेली से सामने आया एक मामला अब पुलिस विभाग के भीतर व्यक्तिगत आचरण और पेशेवर मर्यादाओं को लेकर सवाल खड़े कर रहा

एक महिला सिपाही ने अपने ही विभाग के एक पुलिसकर्मी पर गंभीर आरोप लगाए हैं. आरोप है कि पुलिसकर्मी ने खुद को अविवाहित बताकर उसके साथ संबंध बनाए, शादी का भरोसा दिया और बाद में उसकी वैवाहिक स्थिति को लेकर सच्चाई सामने आने पर पूरा मामला विवाद में बदल गया. शिकायत सामने आने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने आरोपी सिपाही अमित चौधरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. साथ ही पूरे मामले की विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है. जानकारी के अनुसार अमित चौधरी बरेली जिले के शाही थाने में तैनात था. इसी दौरान उसकी पहचान विभाग में कार्यरत एक महिला सिपाही से हुई. रोजाना की ड्यूटी और पेशेवर संपर्क के बीच दोनों के बीच बातचीत शुरू हुई, जो समय के साथ दोस्ती और फिर नजदीकियों में बदल गई. महिला सिपाही का आरोप है कि अमित चौधरी ने शुरुआत से ही खुद को अविवाहित बताया था. बातचीत के दौरान उसने विवाह की

इच्छा जाहिर की और भरोसा दिलाया कि दोनों जल्द शादी करेंगे. इन आश्वासनों के चलते महिला सिपाही ने भी इस रिश्ते को गंभीरता से लेना शुरू कर दिया. महिला सिपाही के अनुसार कुछ समय बाद उसे ऐसी जानकारी मिली जिसने पूरे रिश्ते की बुनियाद हिला दी. उसे पता चला कि अमित चौधरी पहले से शादीशुदा है और यह तथ्य उससे छिपाया गया था. इस खुलासे के बाद महिला सिपाही को गहरा मानसिक आघात पहुंचा. जिस रिश्ते को वह विश्वास और भविष्य की उम्मीद के साथ देख रही थी, उस पर अचानक सवाल खड़े हो गए. इसके बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया और मामला वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंच गया. सूत्रों के मुताबिक महिला सिपाही ने इसे केवल निजी विवाद नहीं, बल्कि विश्वासघात का मामला बताते हुए विभागीय शिकायत दर्ज कराई. मामले का एक संवेदनशील पहलू महिला सिपाही की मानसिक स्थिति से भी जुड़ा हुआ है. आरोपों के अनुसार सच्चाई सामने आने के बाद वह काफी तनाव में रहने लगी थी. उसके करीबी लोगों का कहना है कि इस घटनाक्रम का असर उसके कामकाज और सामान्य दिनचर्या पर भी पड़ने लगा था. विभाग के अंदर भी यह चर्चा रही कि पूरा मामला महिला सिपाही के लिए भावनात्मक रूप से काफी कठिन साबित हुआ. इसी वजह से उसने मामले को दबाने के बजाय उच्च अधिकारियों तक पहुंचाने का निर्णय लिया. मामले में नया मोड़ तब आया जब 31 मई को महिला सिपाही की तबीयत अचानक खराब हो गई. चर्चा है कि मानसिक तनाव के चलते उसने अपने पास मौजूद कई दवाइयों का सेवन कर लिया था. हालत बिगड़ने पर उसे तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसका उपचार किया.हालांकि इस घटना को लेकर विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों ने मामले को और गंभीरता से लेना शुरू कर दिया. आखिरकार महिला सिपाही ने एसएसपी अनुराग आर्य के जनता दरबार में पहुंचकर पूरे मामले की शिकायत दर्ज कराई. शिकायत में उसने रिश्ते की शुरुआत से लेकर सच्चाई सामने आने तक की पूरी कहानी अधिकारियों को बताई और कार्रवाई की मांग की. बताया जाता है कि शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने प्रारंभिक स्तर पर तथ्यों की जांच कराई. शुरुआती जांच में सामने आए बिंदुओं के आधार पर आरोपी सिपाही के खिलाफ तत्काल कार्रवाई का निर्णय लिया गया. एसएसपी अनुराग आर्य ने आरोपी सिपाही अमित चौधरी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है. निलंबन के साथ ही उसे पुलिस लाइन से संबद्ध कर दिया गया है. विभागीय जांच पूरी होने तक वह नियमित ड्यूटी नहीं कर सकेगा. पुलिस अधिकारियों का मानना है कि वर्दीधारी कर्मचारियों से केवल पेशेवर जिम्मेदारियों में ही नहीं, बल्कि व्यक्तिगत आचरण में भी उच्च मानकों की अपेक्षा की जाती है. ऐसे मामलों का सीधा असर विभाग की छवि और जनता के विश्वास पर पड़ता है. अब विभागीय जांच के दौरान महिला सिपाही और आरोपी पुलिसकर्मी दोनों के बयान दर्ज किए जाएंगे. शिकायत में लगाए गए आरोपों, उपलब्ध दस्तावेजों और अन्य साक्ष्यों की जांच की जाएगी. जांच का सबसे अहम सवाल यह होगा कि क्या आरोपी पुलिसकर्मी ने वास्तव में अपनी वैवाहिक स्थिति छिपाई थी और क्या महिला सिपाही को शादी का भरोसा दिया गया था. इसके अलावा दोनों पक्षों के दावों की सत्यता का भी परीक्षण किया जाएगा. यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं,

- 11 जून से सजेगा फुटबॉल का सबसे बड़ा रंगमंच, टूटेंगे पुराने रिकॉर्ड
- अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में 39 दिनों तक मचेगा फुटबॉल का घमासान
- 16 स्टेडियम में पहली बार ट्रिपल होस्टिंग का अनोखा रोमांच

फुटबॉल का 'मेगा शो', 3 देश, 48 टीमें और 104 मैच

न्यू जर्सी

अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में 11 जून से शुरू होने वाला फुटबॉल विश्व कप अब तक का सबसे बड़ा विश्व कप होगा, जिसमें पहली बार 48 टीम भाग लेंगी और इसमें 104 मैच खेले जाएंगे।

यह टूर्नामेंट 39 दिन तक चलेगा और इसे 16 स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले विश्व कप में 32 टीम भाग लेती थी और यह पहला अवसर है जबकि इस टूर्नामेंट में 48 टीम शामिल हैं। इससे पहले विश्व कप में टीमों की संख्या 1998 में बढ़ाई गई थी। इसके अलावा यह पहला अवसर है जबकि तीन देश मिलकर विश्व कप का आयोजन कर रहे हैं। इससे पहले 2002 में जापान और दक्षिण कोरिया ने संयुक्त रूप से विश्व कप की मेजबानी की थी।

अमेरिका में खेला जाएगा फाइनल

विश्व कप अमेरिका के 11, मेक्सिको के 3 और कनाडा के 2 स्थलों पर खेला जाएगा। मेक्सिको 13 मैचों की मेजबानी करेगा, जिनमें 11 जून को मेक्सिको सिटी में मेजबान टीम और दक्षिण अफ्रीका के बीच होने वाला उद्घाटन मैच और नॉकआउट दौर के तीन मैच शामिल हैं। कनाडा में भी कुल 13 मैच होंगे, जिनमें से पहला मैच मेजबान टीम और बोस्निया-हर्जेगोविना के बीच 12 जून को टोरंटो में होगा। कनाडा में तीन नॉकआउट मैच भी खेले जाएंगे। बाकी 78 मैच अमेरिका में खेले जाएंगे। अमेरिका में पहला मैच 12 जून को लॉस एंजिलिस में अमेरिका और पराग्वे के बीच खेला जाएगा। अमेरिका में क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल खेले जाएंगे।

विश्व कप से जुड़े महत्वपूर्ण आंकड़े

रिकॉर्ड 1,248 खिलाड़ी होंगे शामिल

48 टीम में रिकॉर्ड 1,248 खिलाड़ी शामिल हैं, जो 71 देशों के 449 घरेलू क्लबों से आए हैं। इनमें 357 खिलाड़ी विश्व कप में पहले खेल चुके हैं, जबकि 891 खिलाड़ी पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग लेंगे। इंग्लैंड के क्लबों में खेलने वाले सर्वाधिक 200 खिलाड़ी विश्व कप में अपना जलवा दिखाएंगे। इसके बाद जर्मनी (109), फ्रांस (86), स्पेन (86), इटली (71) और सऊदी अरब (49) का स्थान आता है। प्रीमियर लीग की टीम मैनचेस्टर सिटी के सर्वाधिक 19 खिलाड़ी विश्व कप में भाग लेंगे। उसके बाद बायर्न म्यूनिख (18), चैंपियंस लीग के फाइनलिस्ट पेरिस सेंट-जर्मेन और आर्सेनल (16) और बार्सिलोना ((15) का नंबर आता है।

केवल आठ देशों ने जीता विश्व कप

केवल आठ देशों ने विश्व कप जीता है, जिनमें से छह टीमों ने एक से अधिक खिताब जीते हैं। ब्राजील पांच खिताब के साथ सबसे आगे है। केवल दो देशों ने ही लगातार दूसरी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है। पेले के नेतृत्व में ब्राजील ने 1958 और 1962 में खिताब जीता था, जबकि इटली ने 1934 और 1938 में खिताब अपने नाम किया था।

23वीं बार ब्राजील लेगा हिस्सा

ब्राजील एकमात्र ऐसा देश है जिसने 1930 में उरुग्वे में शुरू हुए विश्व कप से लेकर अब तक सभी विश्व कप में भाग लिया है। ब्राजील 76 जीत, 237 गोल और 129-0 के गोल अंतर के साथ सभी देशों में सबसे आगे है। पहले 22 विश्व कप में 964 मैचों में 2,720 गोल किए गए हैं।

खिलाड़ियों में 25 साल का अंतर

सबसे उम्रदराज खिलाड़ी और सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के बीच 25 साल से अधिक का अंतर है। स्कॉटलैंड के गोलकीपर क्रेग गॉर्डन टूर्नामेंट के पहले दिन 43 साल और 162 दिन, जबकि मैक्सिको के गिल्बर्ट मोरा 17 साल और 240 दिन के होंगे।

फ्रांस करेगा लगातार तीसरी बार फाइनल में पहुंचने की कोशिश

फ्रांस लगातार तीन फाइनल में पहुंचने वाला तीसरा देश बनने की कोशिश करेगा। इससे पहले उसने 2018 में खिताब जीता था लेकिन 2022 में वह हार गया था। पश्चिम जर्मनी 1982 और 1986 में फाइनल हार गया था, जिसके बाद उसने 1990 में अर्जेंटीना को हराया था। ब्राजील ने 1994 और 2002 में जीत हासिल की थी, जबकि 1998 में उसे फ्रांस से खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था।

रोनाल्डो ने खेले अब तक 226 अंतरराष्ट्रीय मैच

पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो टूर्नामेंट में भाग लेने वाले सबसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने अब तक 226 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह अर्जेंटीना के लियोनेल मेस्सी के साथ छह विश्व कप में भाग लेने वाले पहले खिलाड़ी बनने के लिए तैयार हैं। मेस्सी ने अपने करियर में विश्व कप के सबसे अधिक 26 मैच खेले हैं और वह 200 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी बनने से केवल दो मैच दूर हैं। **टूट सकता है क्लोज का विश्व कप में 16 गोल करने का रिकॉर्ड :** जर्मनी के लिए मिरोस्लाव क्लोज का विश्व कप में 16 गोल करने का रिकॉर्ड इस बार टूट सकता है। मेस्सी ने विश्व कप में 13 गोल किए हैं और वह क्लोज, ब्राजील के स्टार रोनाल्डो (15) और गेर्ड मुलर (14) से ही पीछे हैं। फ्रांस के किलियन एमबाप्पे भी इस रिकॉर्ड की दौड़ में हैं, जिन्होंने पिछले दो टूर्नामेंट में कुल मिलाकर 12 गोल किए हैं।

खबर संक्षेप

आईजीपीएल क्लासिक : कोचर ने बनाई शीर्ष 10 में जगह

अल जदीदा। भारत के करणदीप कोचर ने अंतिम दिन बोगीमुक्त चार अंडर 68 का स्कोर बनाया, जिससे वह आईजीपीएल भारत क्लासिक गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त नौवें स्थान पर रहे। यह इस सत्र में तीसरा अवसर है जबकि कोचर ने इस सत्र में किसी टूर्नामेंट के शीर्ष 10 में जगह बनाई। चंडीगढ़ के इस गोल्फर ने अब एशियन टूर ऑर्डर ऑफ मेरिट में 12वां स्थान हासिल कर लिया है। कोचर का कुल स्कोर 11 अंडर रहा, जबकि स्वीडन के चार्ली लिंध ने 18 अंडर के स्कोर के साथ खिताब जीता। भारत के अन्य खिलाड़ियों में गगनजीत भुल्लर और यशस चंद्र छह अंडर के कुल स्कोर के साथ संयुक्त 27वें स्थान पर रहे। राशिद खान, कार्तिक सिंह और सचिन बैसोया संयुक्त 41वें स्थान पर रहे।

तमीम इकबाल बने बीसीबी के अध्यक्ष

ढाका। पूर्व कप्तान तमीम इकबाल को बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) का अध्यक्ष चुना गया है। वह इस पद पर चुने गए सबसे युवा उम्मीदवार हैं। वह चार साल के लिए इस पद पर रहेंगे।

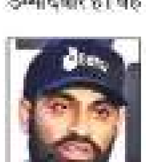

यह 37 वर्षीय पूर्व खिलाड़ी इससे पहले अप्रैल से तदर्थ समिति के प्रमुख के रूप में कार्य कर रहा है। तमीम ने अध्यक्ष चुने जाने के बाद कहा, ' संगठन में बहुत सी कमियां हैं।अगर हम सभी (संवैधानिक सुधार के बारे में) एकमत होते हैं तो हम अगली वार्षिक आम बैठक में उन पर चर्चा करेंगे। यह 12 या 13 लोगों के बोर्ड जैसा नहीं है, जहां एक व्यक्ति कुछ कहता है और उस पर अमल कर लिया जाता है।' तमीम ने एक क्रिकेटर के रूप में 15 साल के करियर में 70 टेस्ट और 243 वनडे मैच खेले।

विश्व कप में हिस्सा लेने मेक्सिको पहुंची ईरानी टीम

टिजुआना। फीफा विश्व कप में भाग लेने के लिए ईरान की टीम मेक्सिको पहुंची तो खिलाड़ियों ने अपने जैकेट पर ऐसे 'लेपल पिन' लगाए थे, जो पश्चिम एशिया में युद्ध के शुरुआती दौर में एक प्राथमिक स्कूल पर हुए घातक मिसाइल हमले के पीड़ितों की याद दिला रहे थे। खिलाड़ियों को टिजुआना में विमान से उतरते समय '168' अंक लिखे हुए सुनहरे रंग के पिन के साथ देखा गया। यह संख्या उस हमले में मारे गए लोगों की थी, जिनमें ज्यादातर बच्चे थे। यह हमला 28 फरवरी को दक्षिणी ईरान के मिनाब में हुआ था।

टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को एक पारी और 300 रन से हराया, 8 साल पुराना कीर्तिमान ध्वस्त

3 दिन में अफगानिस्तान ने टेके घुटने, भारत की सबसे बड़ी जीत

मुल्लांपुर

भारत ने अफगानिस्तान को एकमात्र टेस्ट में तीसरे ही दिन सोमवार को एक पारी और 300 रन से हरा दिया और बाएं हाथ के स्पिनर मानव सुथार का पदार्पण मैच में पादगार प्रदर्शन मेजबान के लिए इस मैच की सबसे बड़ी उपलब्धि रही। पहली पारी में सुथार के 6 विकेट के दम पर भारत ने अफगानिस्तान को 152 रन पर आउट कर दिया था।

दूसरी पारी में अफगानिस्तान की टीम 35.5 ओवर में 112 रन पर सिमट गई। भारत की यह पारी के अंतर के आधार पर सबसे बड़ी जीत रही। दूसरी पारी में वॉशिंगटन सुंदर ने 4 और कुलदीप यादव ने 3 विकेट चटकाए। भारत ने 2018 में अफगानिस्तान को एक पारी और 260 रन से हराया था लेकिन मेहमान टीम के लिए राहत की बात यह है कि वे इस मैच को तीसरे दिन तक खींचकर ले गए।

अफगानिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक

अफगानिस्तान के बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। भारतीय स्पिनरों ने उनके गैर जिम्मेदाराना शॉट चयन का पूरा फायदा उठाया। पहली पारी की गलतियों से भी अफगान बल्लेबाजों ने सबक नहीं सीखा और दूसरी पारी में प्रदर्शन और खराब रहा। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल (42) चाय से पहले आखिरी गेंद पर आउट हुए। अटल ने वॉशिंगटन सुंदर की गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट में मोहम्मद सिराज को आसान कैच दिया। रहमानुल्लाह गुरबाज (24) ने कुलदीप की गेंद पर हवाई शॉट खेला और लॉन्ग ऑन सीमा पर सिराज ने उनका कैच लपक लिया। पहली पारी में अर्धशतक लगाने वाले रहमत शाह (13) ने सुंदर की गेंद पर सुथार को कैच थमाया। सुथार ने सुबह जब पारी में 5 विकेट पूरे किए तो यह कारनामा देखने के लिए मैदान पर बमुश्किल 500 दर्शक थे।

टेस्ट डेब्यू के पहले ओवर में विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज

शूटे बनर्जी बनाम वेस्टइंडीज	(1948)
मनोहर हार्डिकर बनाम वेस्टइंडीज	(1958)
कमल कुमार बनाम पाकिस्तान	(1961)
चेतन शर्मा बनाम पाकिस्तान	(1984)
डब्ल्यूवी रमन बनाम वेस्टइंडीज	(1988)
नीलेश कुलकर्णी बनाम श्रीलंका	(1997)
टिनू योहन्नन बनाम इंग्लैंड	(2001)
मानव सुथार बनाम अफगानिस्तान	(2026)

एक पारी में 5 विकेट लेने वाले दसवें गेंदबाज बने सुथार

मैच के नायक राजस्थान के श्रीगंगानगर के बाएं हाथ के स्पिनर सुथार रहे। पदार्पण में एक पारी के 5 विकेट चटकाने वाले वह भारत के दसवें गेंदबाज बन गए। उन्होंने अपने प्रदर्शन से भविष्य में रविंद्र जडेजा के विकल्प के तौर पर खुद को खड़ा कर दिया। भारत के पास टर्निंग पिचों पर विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे हैं लेकिन 23 वर्ष के सुथार ने दिखा दिया कि वह सपाट पिचों पर भी विकेट ले सकते हैं।

वनडे के बाद अब टी-20 की बारी, राह नहीं आसान

12 जून से इंग्लैंड में शुरू होगा टी-20 विश्व कप

नई दिल्ली

8 महीने के अंदर दूसरा आईसीसी खिताब जीतने की कवायद में लगी भारतीय महिला क्रिकेट टीम को 12 जून से इंग्लैंड में शुरू होने वाले टी20 विश्व कप में परचम लहराने के लिए व्यक्तिगत प्रतिभा पर निर्भर रहना पड़ सकता है, क्योंकि उसके सभी विभागों में कुछ न कुछ कमियां हैं। भारतीय महिला टीम ने पिछले साल नवंबर में वनडे विश्व कप जीतकर इतिहास रचा था लेकिन तब भी उसकी टीम को बीच में संघर्ष करना पड़ा था। ऐसे में जेमिमा रोड्रिग्स ने जिम्मेदारी संभाली और भारत को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। कुछ समय पहले तक ऐसा लग रहा था कि भारत ने सबसे छोटे प्रारूप में लगभग सभी विभाग में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है, लेकिन टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड से लगातार दो श्रृंखला हारने से उसकी कमजोरियां उजागर हो गई है।

शेफाली और स्मृति के प्रदर्शन पर संशय

सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना का प्रदर्शन हाल ही में अच्छा नहीं रहा है। वहीं नहीं पिछले क्रम के बल्लेबाज भी अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। टीम की प्रमुख पेसर रेणुका सिंह ठाकुर 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ विश्व कप के पहले मैच से पहले लय हासिल करने के लिए जूझ रही हैं। अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का प्रदर्शन भी बल्ले और गेंद दोनों से ही निराशाजनक रहा है।

निशानेबाजी चयन

राही ने मनु को पछाड़ा, एशियाई खेलों के लिए ठोकी दावेदारी

देहरादून

एशियाई खेलों की पूर्व चैंपियन राही सरनोबत ने राष्ट्रीय चयन ट्रायल-4 (टी4) में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा का खिताब अपने नाम किया।

उन्होंने फाइनल में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को पछाड़ते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। इस ट्रायल का आयोजन भारत की एशियाई खेलों की निशानेबाजी टीम के चयन के लिए किया जा रहा है। ओलंपियन राही पूरे फाइनल के दौरान लय में नजर आईं। उन्होंने 37 निशाने के साथ शीर्ष स्थान पक्का किया।

मनु भाकर 35 निशाने के साथ दूसरे स्थान पर रहीं, जबकि कर्नाटक की दिव्या टीएस ने 29 निशाने के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

22 निशाने के साथ पांचवें स्थान पर रिदम

तमिलनाडु की निवेदिता वी. नायर 24 निशाने के साथ चौथे स्थान पर रहीं। ओलंपियन रिदम सांगवान 22 निशाने के साथ पांचवें स्थान पर रहीं जबकि पंजाब की अर्शदीप कौर ने 18 निशाने के साथ छठा स्थान प्राप्त किया। महाराष्ट्र की अभिद्न्या अशोक पाटिल 13 निशाने के साथ सातवें स्थान पर रहीं, जबकि क्वालीफिकेशन में 586 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल करने वाली मध्य प्रदेश की चिंकी यादव फाइनल में नौ हिट्स के साथ आठवें स्थान पर खिसक गईं। मनु क्वालीफिकेशन में दूसरे (584) जबकि अर्शदीप कौर और राही सरनोबत ने क्रमशः 579 (20 एक्स) और 579 (18 एक्स) अंकों के साथ तीसरा और चौथा स्थान हासिल किया।

प्रज्ञानानंदा पर धनवर्षा, टीएन सरकार ने दी 50 लाख की राशि

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा को 50 लाख रुपए का पुरस्कार देकर सम्मानित किया। प्रज्ञानानंदा ने ओस्लो में अंतिम दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर को हराकर खिताब जीता था। मुख्यमंत्री ने प्रज्ञानानंदा को सम्मानित करने के बाद इस युवा ग्रैंडमास्टर के साथ शतरंज की एक बाजी भी खेली। प्रज्ञानानंदा ने नॉर्वे शतरंज प्रतियोगिता में जीत को अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि मैग्नस कार्लसन सहित दुनिया के कुछ शीर्ष खिलाड़ियों को हराना इस खिताब को विशेष रूप से यादगार बनाता है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 2013 में हुई थी और इससे पहले कोई भी भारतीय खिलाड़ी इसे जीत नहीं पाया था।

भारत ने जीते 3 स्वर्ण सहित 17 पदक

उलानबटोर ओपन : टीम तालिका में शीर्ष तीन में शामिल भारत

उलानबटोर

भारत ने उलानबटोर ओपन सीनियर रैंकिंग सीरीज कुश्ती टूर्नामेंट में अपने अभियान का शानदार अंत किया जब प्रतियोगिता के अंतिम दिन दीपक (61 किग्रा), सागर जगलान (74 किग्रा) और दिनेश (125 किग्रा) ने पुरुष फ्रीस्टाइल वर्ग में स्वर्ण पदक जीते।

इन तीनों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत पुरुष फ्रीस्टाइल में सात पदक हासिल करने में सफल रहा। भारत ने फ्रीस्टाइल, ग्रीकोरोमन और महिला कुश्ती में कुल मिलाकर 17 पदक जीते और टीम तालिका में शीर्ष तीन में शामिल रहा। दीपक ने कजाखस्तान के आसिल एताकिन को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से हराकर 61 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता जबकि दिनेश ने 125 किग्रा के फाइनल में कजाखस्तान के येदिगे कासिमबेक को 2-0 से हराया। सागर ने रूस के तामिर एशिनिमाएव को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराकर 74 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

आज से ऑस्ट्रेलिया ओपन, शेट्टी करेंगे पुरुष एकल में चुनौती पेश

सिंधू करेंगी खिताबी सूखे को खत्म करने की कोशिश

सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू मंगलवार से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे खिताब के सूखे को खत्म करने की कोशिश करेंगी, जबकि उभरते सितारे आयुष शेट्टी पुरुष एकल में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे।

तीसरी वरीयता प्राप्त सिंधू 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद से अपना पहला बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब जीतने की कवायद में हैं। पूर्व विश्व चैंपियन का इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जनवरी में मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचना रहा है।

सिंधू का पहला मैच कैस्टिलो से

सिंधू को यहां अनुकूल ड्रॉ मिला है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी का पहला मैच पेरू की इनेस लुसिया कैस्टिलो से होगा। इस मैच में जीत दर्ज करने के बाद उनका सामना हमवतन इशरानी बरुआ और चीन की हान कियान शी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सिंधू पिछले सप्ताह इंडोनेशिया ओपन में राउंड-ऑफ-16 में पहुंची थी, जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से-यंग से हार का सामना करना पड़ा था। अगर सिंधू सेमीफाइनल तक पहुंचती है तो वहां उनका सामना जापान की विश्व में तीसरे नंबर की खिलाड़ी अकाने यामागुची से हो सकता है। फाइनल में उनका मुकाबला थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग से हो सकता है।

जिन वेई से मालविका का मुकाबला

महिला एकल ड्रॉ में ही तन्वी शर्मा का सामना चीनी ताइपे की पांचवीं वरीयता प्राप्त सियू पिन-शियान से, जबकि मालविका बंसोड़ का मुकाबला मलेशिया की गोह जिन वेई से होगा। अनमोल खरब को जापान की पूर्व विश्व चैंपियन और चौथी वरीयता प्राप्त नोजोमी ओकुहारा के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना होगा। आकर्षी कश्यप का मुकाबला मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से, जबकि तान्या हेमंत का अमेरिका की इशिका जायसवाल से होगा।

प्रणय और मोहम्मद जाकी में भिड़ंत

पुरुष एकल में छठी वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी अपना पहला मैच क्वालीफायर के खिलाफ खेलेंगे। एचएस प्रणय का मुकाबला इंडोनेशिया के मोहम्मद जाकी उबैद से होगा, जबकि किरण जॉर्ज पहले दौर में मलेशिया के जस्टिन होह का सामना करेंगे। पुरुष युगल में इंडोनेशिया ओपन में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले हरिहरन अमसाकरुनन और एमआर अर्जुन को पहले दौर में चीनी ताइपे के ली फांग-चिह और ली फांग-जेन की आठवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। अरुण्डत्तिल राव डोड्डावरापु और पी. अर्जुन रेड्डी का मुकाबला चीन के हुआंग डि और लियू यांग से होगा।

हर महिला अपनी लाइफ में सक्सेस चाहती है, वह अपने सारे डिसीजंस स्वयं लेना चाहती है, लेकिन कहीं न कहीं उसके भीतर कुछ संकोच, दुविधाएं होती हैं, जो उसके आगे बढ़ने की राह में बाधक होती हैं। आप कैसे इन बातों से उबरें और स्ट्रॉन्ग होकर सक्सेसफुल वूमेन बनें, आपके लिए फाइव पॉवर पंच।

5 हर वूमेन के लिए पॉवर पंच

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

आज के दौर में महिलाएं हर फील्ड में अपनी पहचान बना रही हैं। सक्सेस की इस दौड़ में खुद को मेंटली और इमोशनल रूप से स्ट्रॉन्ग रखना भी बहुत जरूरी है। इस संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि घर-परिवार, करियर और अपने पर्सनल एंबिशंस के बीच बैलेंस बनाने के लिए केवल मेहनत काफी नहीं है, सही विजन और मेंटल क्लीनर्स भी बहुत जरूरी है। एक महिला की असली शक्ति उसके भीतर ही होती है। जब उसकी सोच बदलती है, तो उसकी दुनिया बदल जाती है। हर महिला अगर 5 प्रभावशाली-शक्तिशाली सूत्रों को अपने व्यवहार में उतारें, तो वे देखेंगी कैसे उनका जीवन अधिक संतुलित, सफल और खुशियों से भर उठता है। ये जीवनोपयोगी सूत्र कौन से है, जानें-

1. अपनी जगह बनाना सीखें

कॉर्पोरेट वर्ल्ड और पर्सनल लाइफ में महिलाओं को संकोचवश एक अदृश्य खोल में सिमटा हुआ देखा जाता है। अकसर महिलाएं अपनी योग्यता पर संदेह करती हैं, जिसे

'इंपोस्टर सिंड्रोम' कहा जाता है। वे मीटिंग्स में पीछे की चेयर चुनती हैं या अपनी उपलब्धि का श्रेय नहीं लेना चाहतीं। कोई उनकी सराहना करता भी है तो इसका श्रेय वे अपने आपको नहीं अपने भाग्य को देती हैं, लेकिन आगे बढ़ने के लिए जरूरी है कि आप अपनी काबिलियत पर भरोसा करें। डिसीजन लेने वाली एक्टिविटीज में एक्टिव रहें। जब तक आप खुद को आगे नहीं बढ़ाएंगी, दुनिया आपको जगह नहीं देगी। यह सीख केवल ऑफिस तक सीमित नहीं है, बल्कि परिवार के महत्वपूर्ण निर्णयों में भी अपनी आवाज बुलंद करने के लिए इंस्पायर करती है। बेस्टसेलर पुस्तक 'लीन इन' की लेखिका शेरिल सैंडबर्ग कहती हैं, 'आप अपनी एंबीशंस के लिए माफी मांगना बंद करें और कॉन्फिडेंस के साथ लीडर की कमान संभालें।'

2. फाइनेंसियल लिट्रेसी बढ़ाएं

फाइनेंसियल फील्ड को अकसर पुरुषों की फील्ड मान लिया

जाता है, जो एक बड़ी भूल है। एक्सपर्ट कहते हैं, असली संपत्ति वह है, जो आपकी जेब में पैसा डाले, न कि बाहर निकाले। महिलाओं के लिए केवल बचत करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि पैसों की खेती करना यानी निवेश करना भी अनिवार्य है। चाहे वह स्टॉक मार्केट हो, म्युचुअल फंड हो या छोटा बिजनेस, पैसे को अपने लिए सही जगह पर लगाना सीखें। ताकि आपका पैसा, और पैसा कमाए। आर्थिक निर्भरता कभी-कभी महिलाओं को गलत स्थितियों में रहने पर मजबूर कर देती है। इसलिए अपनी आय के स्रोत बनाना और अपने फाइनेंसियल डिसीजन खुद लेना सेल्फ डिपेंडेंट होने की दिशा में एक बड़ा कदम है। प्रसिद्ध फाइनेंस एडवाइस बुक 'थिंक एंड ग्रो रिच' में राइटर रॉबर्ट कियोसाकी कहते हैं, 'अपनी 'फाइनेंसियल लिट्रेसी बढ़ाएं ताकि आप भविष्य के प्रति सुरक्षित महसूस कर सकें।'

3. अपनी वीकनेस को एक्सेप्ट करें

हम एक ऐसे समाज में रहते हैं, जहां महिलाओं पर 'परफेक्ट' दिखने का भारी दबाव होता है। उनसे एक परफेक्ट मां, पत्नी और कर्मचारी बनने की उम्मीद की जाती है। परफेक्शनिज्म एक ऐसा कवच है, जिसे हम चोट से बचने के लिए पहनते हैं, लेकिन यह हमें दूसरों से जुड़ने से रोकता है। असली साहस अपनी वीकनेस को एक्सेप्ट करने में है। बुक 'द गिफ्ट्स ऑफ इंपरफेक्शन' की राइटर ब्रेने ब्राउन कहती हैं, 'जब आप यह मान लेती हैं- मैं जैसी हूं, पर्याप्त हूं, तब आप दिखावे की थकान से मुक्त हो जाती हैं।' ब्रेने ब्राउन की सलाह है कि महिलाएं आत्म-करुणा का अभ्यास करें। वे खुद के प्रति उतनी ही दयालु रहें, जितनी वे अपने प्रियजनों के प्रति होती हैं। अपनी खामियों को अपनी विशिष्टता मानें, क्योंकि वे ही आपको 'इंसान' बनाती हैं। यह सूत्र मानसिक शांति और गहरे आत्म-सम्मान का आधार है।

4. छोटी आदतों का बड़ा जादू

अकसर महिलाएं अपने हेल्थ या करियर में बड़े बदलाव लाने की कोशिश करती हैं, असफल होने पर निराश हो जाती हैं। 'एटॉमिक हैबिट्स' के राइटर जेम्स क्लियर सिखाते हैं कि लक्ष्य से ज्यादा 'सिस्टम' महत्वपूर्ण है। यदि आप रोज केवल एक प्रतिशत खुद में सुधार करती हैं, तो साल के अंत में आप 37 गुना बेहतर बन सकती हैं। इसे 'एटॉमिक हैबिट्स' कहते हैं। अगर आप फिट रहना चाहती हैं, तो पहले दिन एक घंटा जिम जाने के बजाय केवल पांच मिनट टहलने की आदत डालें। 'हैबिट स्टैकिंग' का प्रयोग करें, जैसे सुबह की चाय पीते समय दो पन्ने बुक पढ़ना। ये छोटे बदलाव समय के साथ कंपाउंडिंग ब्याज की तरह बढ़ते हैं और आपके व्यक्तित्व का

हिस्सा बन जाते हैं। बड़े लक्ष्यों को छोटे, आसान कदमों में बांटकर आप बिना तनाव के बड़ी सक्सेस पा सकती हैं।

5. अपनी पहचान अपने ढंग से बनाएं

हमें अपनी पहचान दूसरों की नजरों से तय नहीं करनी चाहिए। आप एक मां, बेटी या पत्नी होने से कहीं बढ़कर हैं। अपनी जड़ों का सम्मान करें, लेकिन अपनी पहचान को किसी एक भूमिका में सीमित न होने दें। चुनौतियों का सामना करते हुए अपनी आवाज और पहचान ढूंढ़ना ही जीवन का असली उद्देश्य होना चाहिए। यह कभी न भूलें कि आपकी परिस्थितियां चाहे जैसी भी हों, आपकी मेहनत और आपके विचार ही आपका भविष्य तय करते हैं।

बच्चे जीवन में हों सफल इसके लिए शुरू से सिखाएं ये बातें

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं, उनके बच्चे जीवन में सफल रहें, एक अच्छा मुकाम पाएं। इसके लिए जरूरी है वे शुरू से बच्चों को कुछ उपयोगी सीखें दें। इन सीखों से बच्चे जरूर जीवन में सफल रहेंगे।

परवरिश

रजनी अरोड़ा

सभी पैरेंट्स यही चाहते हैं, उनका बच्चा बड़े होकर डरपोक नहीं, मजबूत बने, अपनी समझ से सही फैसले ले। इसके लिए पैरेंट्स का अपने बच्चों को कुछ बातें सिखानी जरूरी हैं ताकि वे अंदर से स्ट्रॉन्ग और कॉन्फिडेंट बनें। जो बच्चा समझदार और अंदर से मजबूत होगा, वह कभी भी कमजोर नहीं साबित होगा, जीवन में सफल रहेगा।

सही काम करने के लिए प्रेरित करें: बच्चों को बताएं हमेशा सही काम करो। सही काम इसलिए करो कि खुद पर गर्व हो। दूसरों को दिखाने के लिए अच्छा मत बनो। अच्छा इसलिए बनो कि दिन बीतने के बाद जब अपने बारे में सोचो तो गर्व महसूस हो। बच्चों को समझाएं कि चरित्र ही इंसान की असली ताकत होती है।

अपने आपको समझना जरूरी: बच्चे को बताएं कि सबको खुश करना जरूरी नहीं है। हर इंसान तुम्हारी इज्जत या दोस्ती के लायक नहीं होता। अपने आपको समझना जरूरी है, जो अपने आपको समझता है, वह दुनिया में मजबूती से खड़ा रहता है।

समझदारी से दोस्त बनाएं: बच्चों को दोस्तों की परख करना सिखाएं कि अच्छे दोस्त आगे बढ़ने में मददगार होते हैं। वह जिनके आस-पास रहता है, वे या तो उसे आगे बढ़ाएंगे या नीचे गिराएंगे। इसलिए समझदारी से दोस्त बनाएं।

अपनी हेल्थ से बड़ा कुछ नहीं: बच्चों को समझाएं कि दोस्तों के प्रभाव में आकर किसी खराब आदत को न अपनाएं। मोबाइल की लत, झूठ बोलना, आलस करना सही नहीं है। आज की छोटी गलती कल की बड़ी परेशानी या एडिक्शन बनते देर नहीं लगेगी। बच्चों को समझाएं कि हेल्थ उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए अनहेल्दी हैबिट्स से दूर रहें।

सतर्कता से छोटे-छोटे डिसीजन लें: बच्चे को बताएं कि उसे अपने लेवल पर रोज छोटे-छोटे डिसीजन लेने पड़ते हैं। उस वक्त सिर्फ इतना याद रखना जरूरी है कि उसके द्वारा लिए गए डिसीजन से ही उसका परिणाम तय होता है। वो परिणाम पॉजिटिव भी हो सकता है और नेगेटिव भी। इसलिए कोई भी डिसीजन लेने से पहले अच्छी तरह विचार जरूर कर लो।

न बोलना सिखाएं: अगर कुछ गलत लगे, मन न माने, डर लगे तो उसे न बोले। न कहना गलत या शिष्टाचार के विरुद्ध नहीं, अपनी इज्जत और सुरक्षा की निशानी है।

लक्ष्य जरूर तय करें: बच्चे को बताएं कि तुम्हारे पास एक लक्ष्य होना जरूरी है कि तुम भविष्य में क्या बनना चाहते हो? अगले एक-दो वर्ष में किस दिशा में आगे बढ़ना चाहते हो? लेकिन ध्यान रखो कि कोई फाइनल डिसीजन अभी नहीं लो, क्योंकि कई बार अनचाहे हालातों के कारण या किसी दूसरे कारणों से लक्ष्य बदलने भी पड़ते हैं।

रातों-रात सफलता नहीं मिलती: बच्चों को बताएं कि रातों-रात सफल होना एक भ्रम है। हुनर शुरुआत दिलाता है, अनुशासन आगे बढ़ाता है। सिर्फ टैलेंट काफी नहीं होता, जो निरंतर मेहनत करता है, छोटे-छोटे प्रयास करता है, वही आगे बढ़ता है, सफल होता है। जो भी करो, पूरी लगन से करो।

असफलता से सीख लें: किसी काम में अगर असफल होते हो तो यह समझना जरूरी है कि असफल क्यों हुए, इससे क्या सीखा? असफलता का जीवन और करियर पर क्या असर पड़ा? बच्चों को यह भी बताएं कि असफलता बुरी बात नहीं है। असफलता का मतलब हार नहीं, एक सबक है। जिस बच्चे को यह बात समझ में आ जाएगी, वो कभी भी असफलता से नहीं डरेगा।

(होली फैमिली अस्पताल, दिल्ली की सीनियर साइकोलॉजिस्ट डॉ. मंजू मेहता से हुई बातचीत पर आधारित)

गार्डनिंग

अनु आर.

वर्किंग वूमेन के बीच गार्डनिंग का नया ट्रेंड 'संडे गार्डन रूटीन' तेजी से पॉपुलर हो रहा है। इसकी कई वजहें हैं। एक तो इससे आपकी गार्डनिंग हॉबी को टाइम मिलता है, दूसरा इसका पॉजिटिव इफेक्ट आपकी मेंटल और इमोशनल हेल्थ पर भी पड़ता है। इसके बारे में जानकर आप भी इसे जरूर फॉलो करेंगी।

संडे गार्डन रूटीन का बढ़ता ट्रेंड हॉबी के साथ सेल्फ केयर

पूरे सप्ताह किचेन, ऑफिस, बच्चों और घर के दूसरे तमाम जिम्मेदारियों के बीच वर्किंग वूमेन के लिए संडे का दिन आराम करने के लिए फिक्स माना जाता है। लेकिन अब बड़ी संख्या में महिलाएं रविवार को काफी समय गार्डन केयर में बिताती हैं। वे 'संडे गार्डन टाइम' को मानसिक शांति और खुशी पाने का नया तरीका मानने लगी हैं। बालकनी में लगे पौधों को पानी देना, पौधों के आस-पास की सूखी पत्तियां हटाना, उनकी ट्रिमिंग करना, नए बीज बोना और उनके अंकुरण का बेसब्री से इंतजार करना, कुछ देर पौधों के बीच गुजारना, अब यह सिर्फ शौक नहीं रहा, आज के दौर में मी टाइम का हिस्सा भी बन गया है।

पौधों के साथ मिले सुकून: गार्डनिंग से मिलने वाली खुशी के लिए अनेक महिलाओं ने सीमित स्थान पर ही सही घर के छोटे-छोटे हिस्सों में अपना एक हरा-भरा कोना बसाना शुरू कर दिया है। किसी के यहां छत पर सब्जियां उग रही हैं, तो किसी की बालकनी ताजी धनिया और पुदीने से महक रही है। गार्डन में खुद के लगाए पौधे से सब्जी तोड़ना, एक ऐसा सुकून का एहसास देता है, उतनी ही खुशी देता है, जितनी अपने लिए मनपसंद साड़ी खरीदने में मिलती है। यही वजह है कि अब बहुत सी महिलाएं संडे को मोबाइल और टीवी से दूरी बनाते हुए अच्छा-खासा समय पौधों के बीच या कहें हरियाली के साथ सुकून में बिताती हैं। पौधों के बीच समय गुजारने से न सिर्फ तनाव कम होता है बल्कि मिट्टी को छूने, पौधों की देखभाल करने और नई पत्तियों को उगते देखने से मन में सकारात्मकता का प्रवाह भी होता है। इन्हीं फायदों की वजह से इन दिनों गार्डनिंग थेरेपी भी काफी कारगर साबित हो रही है, जो मनोवैज्ञानिकों के मुताबिक मानसिक थकान दूर करने का एक सरल तरीका है। दिलचस्प बात यह है कि इस ट्रेंड में घरेलू और कामकाजी महिलाएं दोनों के बीच किसी किस्म का भेदभाव नहीं है। कामकाजी महिलाओं के लिए जहां सप्ताह भर की भाग-दौड़ के बाद गार्डन टाइम डिजिटल डिटॉक्स बन जाता है, वहीं घरेलू महिलाओं के लिए भी रोजमर्रा के काम से अलग यह उनकी निजी पसंद या 'हॉबी' होता है।

सोशल मीडिया पर पॉपुलर: इन दिनों सोशल मीडिया पर भी 'संडे गार्डन रूटीन' काफी पॉपुलर हो रहा है। बहुत सी महिलाएं फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर अपने पौधों की तस्वीरें, जैविक खाद बनाने के तरीके और छोटी-छोटी गार्डन सेट-अप साझा करती हैं। इससे उन महिलाओं को भी प्रेरणा मिलती है, जो अभी तक इस 'संडे गार्डन रूटीन' से दूर हैं।

इसलिए बढ़ रहा ट्रेंड: गार्डनिंग के इस ट्रेंड के पॉपुलर होने की वजह यह है कि यह आपके और फैमिली मेंबर्स की हेल्थ के लिए भी लाभकारी होता है। घर में उगाई गई हरी सब्जियां और हर्ब्स ताजी होने के साथ ऑर्गेनिक भी होती हैं। इसी वजह से हेल्थ के लिए अधिक फायदेमंद होती हैं। इसीलिए अब कई महिलाएं बाजार के बजाय घर में उगी पालक, पुदीना और टमाटर का उपयोग करना ज्यादा पसंद करती हैं। इस सबके अलावा महिलाओं में बढ़ती पर्यावरण जागरूकता भी इस ट्रेंड को मजबूत कर रही है। प्लास्टिक के गमलों की जगह मिट्टी के गमले, रसोई के कचरे से खाद बनाना और पानी का सीमित उपयोग करना, ये ऐसी आदतें हैं, जो शहरी घरों में खूब दिखाई देने लगी हैं। इस छोटे से प्रयास से भी पर्यावरण को मजबूती मिल रही है।

ये तरीके हैं कारगर: इन दिनों बाजार में किचन गार्डनिंग को आसान बनाने के अनेक तरीके और उपकरण मौजूद हैं। जैसे सेल्फ वाटरिंग पॉट्स, वर्टिकल गार्डन स्टैंड, माइक्रो ग्रीन्स किट और जैविक बीज आसानी से मिल जाते हैं। इसीलिए फ्लैट कल्चर में गार्डनिंग का आकर्षण बढ़ रहा है।

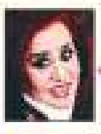

स्किन केयर

शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

घरेलू उपायों से पैरों की टैनिंग होगी दूर

गर्मी के मौसम में तेज धूप, धूल भरी गर्म हवाएं और पसीने की वजह से हमारे पैरों का रंग टैन होने लगता है। इससे उनकी खूबसूरती डल हो जाती है। अगर आप भी इस प्रॉब्लम से परेशान हैं तो कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से इस मौसम में भी अपने पैरों को सुंदर और सॉफ्ट बनाए रख सकती हैं।

स्क्रबिंग: पैरों की टैनिंग हटाने के लिए टूथपेस्ट, सोडा, नींबू के रस से बना पैक काफी मददगार साबित होता है। बेकिंग सोडा और नींबू, स्किन को एक्सफोलिएट करने में मदद करेगा। नींबू में मौजूद विटामिन-सी त्वचा पर हाइपर पिगमेंटेशन की समस्या को दूर करने में मदद करता है। कांच की कटोरी में थोड़ा सा टूथपेस्ट लें। इसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा और आधा नींबू का रस मिलाएं। इन तीनों चीजों को अच्छी तरह से मिक्स कर लें और ब्रश की मदद से इसे पूरे पैरों पर लगाएं। अब नींबू के छिलके से पैरों को कुछ देर स्क्रब करें। कुछ देर तक इस पेस्ट को पैरों पर लगा रहने दें और फिर पैरों को पानी से साफ कर लें। इस पैक को हफ्ते में दो बार लगाने से पूरी तरह से टैनिंग से छुटकारा पाया जा सकता है।

नींबू और खीरा: खीरे को कद्दूकस या ब्लेंड करके रस निकाल लें। इसमें कुछ बूंदें नींबू के रस की मिलाकर अच्छी तरह मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को कॉटन बॉल की मदद से पैरों की टैनिंग की जगह पर लगाकर लगभग 15 मिनट बाद ताजे साफ पानी से धो डालें।

बेसन-दही: दही और बेसन को एक साथ अच्छे से मिलाकर पैरों पर 30 मिनट तक लगा रहने दें और फिर पैर धो लें। दही पैरों को मॉयश्चराइज करेगा और बेसन टैनिंग को हटाने में असरदार साबित होगा।

मास्क: एक मध्यम आकार के आलू का रस निकालकर इसमें एक बड़ा चम्मच दही मिला लें। इसमें एक छोटा चम्मच बेसन मिला लें। इसमें एक चम्मच नींबू का रस और आधा चम्मच शहद मिला लें। अब आप पैरों को अच्छी तरह धो लें और सूखने दें। इसके बाद इस मास्क को पूरे पैरों में लगाकर आधे घंटे बाद हल्के-हल्के रगड़ते हुए हटा लें। इससे डेड स्किन हट जाएगी। अब पैरों को पानी से धो लें और मॉयश्चराइजर लगा लें।

टैन रिमूविंग पेस्ट: इसे बनाने के लिए एक कटोरी में गर्म पानी लें। इसमें ईनो पावडर डालें, फिर 1 चम्मच नींबू का रस डालें। इसमें नारियल का तेल, शैंपू की कुछ बूंदें, 1 चम्मच कॉफी पावडर, 2 चम्मच आटा मिक्स कर लें। अब इसे टैनिंग वाले एरिया पर 10 मिनट तक रगड़ें, फिर साफ पानी से धो लें।

गर्मी में हीट स्ट्रोक और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं काफी बढ़ जाती हैं। डॉक्टर पानी पीने और शरीर को ठंडा रखने की सलाह देते हैं। यहां पर हम आपको कुछ हर्बल ड्रिंक्स के बारे में बता रहे हैं, जो गर्मी से राहत दिलाने में बहुत फायदेमंद हैं।

तपती गर्मियों से राहत दिलाएं ये पारंपरिक स्वादिष्ट पेय

सजेशन

संध्या सिंह

आज के डिजिटल दौर में फिर से वही पुराने भारतीय हर्बल पेयों की मांग गर्मी से राहत दिलाने के लिए बढ़ रही है, जो कभी नानी-दादी के जमाने में गर्मी से बचाने का अकेला सहारा हुआ करते थे। कभी गांवों की रसोई में सहज रूप से उपलब्ध बेल का शर्बत, सौंफ का पानी, आम का पना, जौ-चना का सत्तू, पुदीना और खस के पेय, नॉर्मल हुआ करते थे। आज ये सब इसलिए लौटकर तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि इन पेय पदार्थों में सचमुच चिलचिलाती गर्मी से राहत पहुंचाने का शानदार गुण होता है। जानकार मानते हैं कि ये पेय सिर्फ शरीर को ठंडा ही नहीं रखते और न ही सिर्फ पाचन सुधारते हैं बल्कि हमें लू से भी बचाने के साथ लगातार ऊर्जावान भी बनाए रखते हैं। इसलिए आजकल फिर से डॉक्टर और खान-पान के विशेषज्ञ गर्मियों में इन देसी पेयों के अधिक से अधिक सेवन की सलाह देते हैं।

ये भी होते हैं फायदे

- आम का पना लू लगने से बचाने में बहुत कारगर होता है।
- जौ का सत्तू गर्मी में शरीर को हाइड्रेट रखता है।
- पुदीना शिकंजी शरीर को ताजगी देती है और इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाती है।
- बेल का शर्बत लू और पेट की गर्मी से राहत दिलाता है।
- सौंफ का पानी पाचन बेहतर करता है और शरीर को ठंडक प्रदान करता है।
- खस का शर्बत शरीर को कूल करने में मददगार है।

बेल का शर्बत: इनमें सबसे खास और ज्यादा असरदायक है बेल का शर्बत। बेल को आयुर्वेद में शीतल प्रकृति का माना गया है। इसमें फाइबर, विटामिन, मिनरल्स की प्रचुर मात्रा होती है। गर्मी के दिनों में यह शरीर को ठंडा रखता है, लू से बचाता है और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याओं पर रामबाण की तरह असर करता है।

पुदीना है फायदेमंद: पुदीना गर्मी से राहत दिलाने का कारगर साधन है। पुदीना शरीर को ताजगी देता है। नींबू और काला नमक मिलाकर अगर पुदीना के रस का सेवन करें तो यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। यही कारण है कि सड़क किनारे मिलने वाली पारंपरिक शिकंजी या जलजीरा आज भी लोगों की पहली पसंद बना हुआ है।

आम पना: आम पना लंबे समय से उत्तर भारत के ग्रामीण इलाकों में गर्मी से राहत दिलाने वाला स्वादिष्ट पेय माना जाता है। कच्चे आम से बनने वाला यह स्वादिष्ट पना, हमें हीट स्ट्रोक से बचाने में बहुत कारगर है। इसमें नमक, गुड़, भुना जीरा, थोड़ी काली मिर्च या भुनी हुई लाल मिर्च डालकर बनाने से यह बेहद स्वादिष्ट तो लगता ही है, शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स की कमी को अच्छे ढंग से पूरा करता है। यही वजह है कि ग्रामीण क्षेत्रों ही नहीं शहरी क्षेत्रों में भी आम पना खूब पिया जाता है।

बबीना विधानसभा के 169 गाँवों और 308 मजरों का हुआ विद्युतीकरण

- 40 करोड़ से चमका क्षेत्र, विधायक राजीव सिंह पारीछा की बड़ी उपलब्धि

- हर घर रोशन, हर गांव विकसित' का संकल्प हुआ साकार

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। बबीना विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और ग्रामीण इलाकों के चहुंमुखी विकास के अभियान के तहत बिजली व्यवस्था को एक ऐतिहासिक मजबूती मिली है। क्षेत्र के लोकप्रिय भाजपा विधायक राजीव सिंह पारीछा के विशेष प्रयासों से विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों गाँवों और मजरों में बिजली पहुंचाने का महाअभियान सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। इस बड़े कार्य से ग्रामीण क्षेत्रों में बरसों पुराना अंधेरा दूर हो गया है।

40 करोड़ की भारी-भरकम लागत से हुआ कायाकल्प

विभागीय आंकड़ों और विधायक कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, बबीना विधानसभा (222) क्षेत्र के भीतर लगभग ?40 करोड़ (चालीस करोड़ रुपये) की भारी-भरकम लागत से विद्युतीकरण का यह महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न कराया गया है। इस विशाल प्रोजेक्ट के तहत क्षेत्र के 169 गाँवों और 308 मजरों को पूरी तरह से कवर किया गया है, जहाँ नए ट्रांसफार्मर, बिजली के खंभे और सुदृढ़ तार बिछाकर विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की गई है।

हजारों परिवारों के जीवन में आया सकारात्मक बदलाव

इस वृहद विद्युतीकरण कार्य के पूर्ण होने से बबीना विधानसभा के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले हजारों परिवारों के जीवन में एक बड़ा और सकारात्मक परिवर्तन आया है। बिजली की बेहतर पहुंच सुनिश्चित होने से न केवल किसानों को खेतों की सिंचाई में मदद मिल रही है, बल्कि स्कूली बच्चों की पढ़ाई और स्थानीय स्तर पर छोटे उद्योगों के विकास की नई संभावनाओं के द्वार भी खुल गए हैं। विधायक राजीव सिंह पारीछा ने बताया कि 'हर घर रोशन, हर गांव विकसित' यही हमारा मुख्य संकल्प है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में बबीना विधानसभा के अंतिम छोर पर बसे हर परिवार तक विकास की रोशनी पहुँचाने के लिए वे पूरी प्रतिबद्धता के साथ निरंतर कार्य कर रहे हैं। इस बड़ी सौगात के मिलने पर समूचे ग्रामीण अंचल और क्षेत्रवासियों ने विधायक और सरकार के प्रति गहरी कृतज्ञता व्यक्त की है। 'अंधेरे से मुक्ति और विकास की नई सुबह' 'बबीना विधानसभा (222) के हर नागरिक तक बुनियादी सुविधाएं पहुँचाना और उनके जीवन को सुगम बनाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। क्षेत्र के 169 गाँवों और 308 मजरों में ?40 करोड़ की लागत से हुआ यह विद्युतीकरण कार्य ग्रामीण अंचल के चहुंमुखी विकास का गवाह है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और पूज्य मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में 'हर घर रोशन, हर गांव विकसित' के हमारे संकल्प को गति मिली है। हम बबीना को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रहे हैं। '— राजीव सिंह पारीछा, विधायक, बबीना विधानसभा (झांसी)

जनता की आवाज: बिजली आने से बदली गांवों की तकदीर'

किसानों और बच्चों को मिली बड़ी राहत''

हमारे मजरे में पहले बिजली न होने से शाम होते ही अंधेरा पसर जाता था। बच्चों की पढ़ाई और खेतों की सिंचाई दोनों ठप थी। अब ?40 करोड़ के इस ऐतिहासिक काम से हमारे घरों में रोशनी आ गई है। हम विधायक जी का आभार व्यक्त करते हैं।' — महिपाल सिंह लोधी, ग्रामीण (बबीना क्षेत्र)

'कुटीर उद्योगों को मिलेगा बढ़ावा'

गाँवों तक निर्बाध बिजली पहुँचने से अब स्थानीय स्तर पर छोटे-मोटे कारोबार और कुटीर उद्योग शुरू करने का रास्ता साफ हो गया है। इस विकास कार्य से ग्रामीण युवाओं के लिए स्वरोजगार की नई संभावनाएं खुली हैं।' — श्रीमती मिथलेश राजपूत, ग्राम प्रधान

नवागंतुक बीएसए का शिक्षक संघ ने किया स्वागत

-गुणवत्तापरक शिक्षा और शिक्षकों की समस्या निदान प्रमुख ध्येय : जितेन्द्र कुमार गौड़

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र दीक्षित के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने नवागंतुक जिला बेसिक शिक्षाधिकारी जितेन्द्र कुमार गौड़ का स्वागत किया। आगरा से स्थानांतरित होकर झांसी आए बीएसए को शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने बुके, स्मृति चिह्न भेंट किया। माल्यार्पण करते हुए उनका सम्मान किया। इस मौके पर जितेन्द्र कुमार गौड़ ने कहा कि गुणवत्तापरक शिक्षा और शिक्षकों की समस्या निदान उनका प्रमुख ध्येय है। शासन की योजनाओं का शिक्षकों के सहयोग से शत प्रतिशत क्रियान्वयन की उन्होंने अपेक्षा जाहिर की। विभाग में सकारात्मक और पारदर्शी प्रक्रिया से कार्य करते हुए शिक्षक हित का ध्यान रखा जाएगा। वहीं नौनिहालों की शिक्षा दीक्षा में शिक्षकों के सर्वोपरि योगदान के लिए उन्होंने कहा। वहीं जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन समन्वय स्थापित करते हुए विभागीय कार्यों को पूरा करने में सहयोग प्रदान करेगा, इससे जनपद नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा। इस दौरान जिला मंत्री मृत्युंजय सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष भारत भूषण राय, संयुक्त मंत्री शिवकुमार पाराशर, उमाशंकर शर्मा,प्रवक्ता अब्दुल नोमान, डॉ अनिरुद्ध रावत, उमेश बबेले, छाया निरंजन, डॉ अखिलेश गोस्वामी, रीता आहूजा, मोनिका सिंह, जागृति पाठक,आनन्द मोहन मिश्रा, अनुज शुक्ला,जितेन्द्र त्रिपाठी, मनोज तिवारी, मोहित मिश्रा, अखिलेश पटेल,रविन्द्र पटेल, विपिन कुमार सिंह, उमेश पाराशर, मुकेश कुमार, अमर सिंह पाल, मुकेश वर्मा, रमन प्रताप सिंह, राघवेन्द्र यादव, संजीव अरजरिया, देवेन्द्र गुप्ता,कैलाश चन्द्र वैश्य, शेख जुहैब, शशांक अमरया, शिवम रिछारिया, अखिलेश पटेल, सोनम चौरसिया, पवंजय, रामराजा शिवहरे, रवि प्रताप सिंह, पंकज अग्रवाल, राजीव कुमार आर्य, मनोज चौरसिया, प्रशान्त द्विवेदी,अरुण गुप्ता, ऊषा राजपूत, कुलदीप चौरसिया आदि मौजूद रहे।

2027 में भाजपा की बनेगी पूर्ण बहुमत की सरकार भ्रम फैलाने बालों को जनता देगी जवाब : पंकज चौधरी

(यंग भारत न्यूज)

पूंछ । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि 2027 में भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार बनेगी जो विपक्ष के लोग पहले भ्रम फैला कर राजनीति करते रहे हैं जनता ने उन्हें पूरी तरह से नकार दिया है केंद्र व प्रदेश की सरकार के द्वारा निरंतर विकास कार्यों को गति दी जा रही है अब जनता को सिर्फ भारतीय जनता पार्टी पर ही विश्वास है बिहार से लेकर पश्चिम बंगाल तक उदाहरण विपक्ष के सामने है भ्रम फैलाकर राजनीति करने वालों को जनता ने एकदम नकार दिया है उन्होंने कहा कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास के मूल मंत्र को लेकर देश व प्रदेश की सरकार काम कर रही है

भ्रष्टाचार गुंडागर्दी और परिवारवाद

उन्होंने कहा कि जाति और धर्म के आधार पर राजनीति करने वाले दलों की स्थिति आज सबके सामने है पश्चिम बंगाल में भ्रष्टाचार गुंडागर्दी और परिवारवाद के खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने मजबूती से संघर्ष किया दूसरी तरफ बिहार में भी विकास के मुद्दे पर एनडीए सरकार काम कर रही है भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दुनिया के कई देश आर्थिक और वैश्विक संकटों से जूझ रहे हैं लेकिन भारत में पेट्रोल डीजल गैस खाद जैसी आवश्यक वस्तुओं की कोई कमी नहीं है उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार से पहले गुंडागर्दी अराजकता भ्रष्टाचार चरम सीमा पर था परंतु आज आम जनमानस अपने को पूर्ण सुरक्षित मानकर सुकून के साथ रह रहा है

पंकज चौधरी का माल्यार्पण

कार्यक्रम के आयोजक क्षेत्रीय विधायक जवाहरलाल राजपूत के पुत्र राहुल राजपूत ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी का माल्यार्पण कर उन्हें स्मृति चिन्ह भेंट किया एवं उनका फलों से तुलादान किया इस मौके पर कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अशोक राजपूत भाजपा जिला अध्यक्ष प्रदीप पटेल भाजपा जिला उपाध्यक्ष गुड्डी रानी पटेल अमित चौरसिया भाजपा जिला मंत्री यज्ञेश यादव रमाकांत राजपूत अनिल सोनी मुरारी राजपूत पवन श्रीवास्तव रामकुमार यादव दिनेश राजपूत गुरसराय ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि टीकाराम पटेल नगर पालिका समथर अध्यक्ष देवेंद्र कंसाना सत्य प्रकाश तिवारी जिला महामंत्री छत्रपाल सिंह राजपूत बद्री प्रसाद त्रिपाठी नगर पालिका समथर अध्यक्ष देवेंद्र कंसाना के अलावा सभी मंडल एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष मौजूद रहे कार्यक्रम का सफल संचालन अजय शुक्ल अज्जू ने किया

एशिया कप गोल्ड मेडलिस्ट कप्तान केतन का झांसी आगमन पर एहिहासिक स्वागत

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। एशिया कप विजेता कप्तान केतन कुशवाहा का जापान से भारत लौटने पर उनके गृह नगर झांसी में भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया।दिल्ली से ट्रेन द्वारा झांसी पहुंचने पर रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर केतन के स्वागत में सैकड़ों लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा। वहां स्थानीय जनप्रतिनिधियों, खेल संघों,खिलाड़ियों और अधिकारियों ने उनकी अगवानी की।

स्टेशन से बाहर निकलते ही केतन को तिरंगे झंडे के साथ एक खुली गाड़ी में बिठाया गया। स्टेशन से शुरू होकर शहर के चित्र चौराहों पर स्थापित हॉकी जादूगर मेजर ध्यानचंद की मूर्ति पर केतन ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया फिर काफिला इलाइट ,जीवनशाह चौराहे होते हुए लक्ष्मी व्यायाम मंदिर पर रुका। वहीं गणेश सत्संग भवन में उनका भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया।जहाँ उनका नगर विधायक रवि शर्मा,पूर्व ओलंपियन अर्जुन अवॉर्डी अशोक ध्यानचंद,झांसी हॉकी के अध्यक्ष अभिषेक भार्गव सचिव सुबोध खांडेकर,बुंदेलखंड सेवा मंडल पदाधिकारी नरोत्तम अग्रवाल,प्रभात सक्सेना,संजय पटवारी,साथी खिलाड़ियों,विभिन्न खेल एवं सामाजिक संगठनों के

लोगो ने उन्हें सम्मानित किया।बुंदेलखंड सेवा मंडल के द्वारा पदक विजेताओ को ग्यारह ग्यारह हजार रुपये के साथ सम्मान पत्र, श्रीफल एवं माला पहनाकर सम्मानित किया गया।इसके बाद उनके घर तक एक भव्य विजय जुलूस (रोड शो) निकाला गया, जहां लोगों ने उन पर फूलों की बारिश की।केतन ने महज 8 साल की उम्र में लक्ष्मी व्यायाम शाला में हॉकी खेलना शुरू किया था, उस लक्ष्मी व्यायाम मंदिर मैदान पर उनके शुरुआती कोच कैलाश कुशवाहा थे। नन्हे खिलाड़ियों ने अपने इस 'स्टार कप्तान' का विशेष सम्मान किया। अंत में जब वह अपने घर पहुंचे, तो पूरे मोहल्ले को त्योहार की तरह सजाया गया था। उनकी मां और परिवार की महिलाओं ने आरती उतारकर और मिठाई खिलाकर इस 14 वर्षीय चैंपियन बेटे का गृह-प्रवेश कराया।

शोक सभा हुई आयोजित

(यंग भारत न्यूज)

टहरौली -- कस्बा स्थित आदर्श जनप्रिय इंटर कालेज के प्रधानाचार्य सुनील कुमार शर्मा की बहिन संध्या तिवारी पत्नी डॉ अनिल कुमार बहू जागेश्वर प्रसाद तिवारी सेवानिवृत्त अध्यापक सरस्वती इण्टर कॉलेज झांसी का 42 वर्ष की आयु में आकस्मिक निधन हो जाने पर विद्यालय में शोक सभा का आयोजन किया गया दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई शोक सभा में पुष्पेंद्र रिछरिया रविंद्र दीक्षित आदित्य चतुर्वेदी सत्येन्द्र प्रताप सिंह वीरेंद सिंह यादव पवन शर्मा रोहित पटेल ताई विपिन कुमार मुकेश पाल पीयूष झाँ आदि मौजूद रहे

बबेरू पुलिस के द्वारा टप्पेबाजी कर रुपए छीनकर भागने वाले तीन शातिर अभियुक्तों को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

(यंग भारत न्यूज)

बांदा। बांदा के बबेरू कोतवाली से मामला सामने आया है। जहां बाँदा पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के कुशल निर्देशन पर जनपद में अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण लगाए जाने तथा वांछित चल रहे अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में बबेरू कोतवाली पुलिस के द्वारा कस्बे सहित जनपद के अलग-अलग जगह पर टप्पेबाजी कर रुपए छीन कर भागने वाले तीन शातिर अभियुक्तों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बता दे की बबेरू मे पिछले दिनों अलग-अलग जगह पर दो वृद्धो के जेब से रुपए छीन कर भागे थे, जिसमें पीड़ित की तहरीर पर बबेरू कोतवाली मे अभियोग पंजीकृत करते हुए पुलिस टप्पे बाजो की तलाश कर रही थी, तभी मुखबिर की सूचना पर बाइक में सवार अनुराग यादव पुत्र शिव प्रसाद व राजकुमार पुत्र रामराज, कैलाश पटेल पुत्र छंगू निवासी तीनो ओझा नगर लोहरा थाना कमासिन को गिरफ्तार किया गया, जब कड़ाई से पूछताछ की गई तो यह पूरे जनपद में घूम-घूम कर टप्पे बाजी का काम करते थे, तीनों अभियुक्तों का मेडिकल कराने के बाद जेल भेज दिया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम चौकी प्रभारी मनीष कुमार शर्मा, कांस्टेबल, राहुल कुमार, पवन कुमार मौजूद रहे।

श्रमिकों के बच्चों को शिक्षित करेंगे एनएसएस स्वयंसेवक

(यंग भारत न्यूज)

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय , झांसी के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के स्वयंसेवकों ने सामाजिक सरोकार का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय परिसर की निर्माणाधीन स्थान पर रहने वाले लगभग 24 जरूरतमंद बच्चों को शिक्षित करने एवं उनमें सामाजिक चेतना विकसित करने की अभिनव पहल शुरू की है।

कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने स्वयंसेवकों की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए युवाओं की भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने स्वयंसेवकों को ऐसे सामाजिक कार्य निरंतर जारी रखने के लिए प्रेरित किया। कुलपति ने कहा कि यह भले ही एक छोटा प्रयास प्रतीत हो, लेकिन इसका प्रभाव इन बच्चों के भविष्य निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। इस अवसर पर कुलपति की उपस्थिति में बच्चों को स्टेशनरी किट वितरित की गई। बच्चों के चेहरों पर उत्साह और खुशी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थी। उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनीष श्रीवास्तव, छात्र कल्याण अधिकारी डॉ. गौरव शर्मा तथा एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. आरपी यादव ने भी भाग लिया और स्वयंसेवकों के समर्पण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना की सराहना की। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस पहल को शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के समन्वय का प्रेरणादायी उदाहरण बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इस दौरान एनएसएस के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राकेश नेगी, डॉ. युमनाम बिजीलक्ष्मी देवी, डॉ. शिव वेंद्र एवं डॉ. अनीता पुयम सहित अनेक स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

रतौंधी, डायरिया, निमोनिया, कुपोषण को दूर करती है विटामिन ए की खुराक : डॉ शिशिर पुरी

(यंग भारत न्यूज)

झाँसी। प्रत्येक वर्ष दो चरणों में 6 माह के अंतराल पर होने वाले विटामिन ए संपूर्ण कार्यक्रम से संबंधित कार्यशाला का आयोजन सीएमओ कार्यालय में संपन्न हुआ, यह जानकारी देते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ शिशिर पुरी ने बताया कि 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन ए की खुराक से आच्छादित किए जाने हेतु वर्ष में दो बार 6 माह के अंतराल पर विटामिन ए संपूरण कार्यक्रम संचालित किया जाता है।

सीएमओ ने बताया कि विटामिन ए की खुराक लेने से बच्चों में रतौंधी, अंधापन, बिटॉट स्पॉट, डायरिया, निमोनिया, कुपोषण, प्रतिरोधक क्षमता में कमी आदि से बचाव संभव हो पाता है। इसी प्रकार एनीमिया (खून की कमी) के कारण बच्चों के आरंभिक जीवन में शारीरिक एवं मानसिक विकास प्रभावित होता है, जिसका प्रभाव भविष्य में भी पड़ता है। इसलिए 6 माह के शिशुओं से लेकर 59 माह (5 वर्ष) के बच्चों में एनीमिया से बचाव के लिए एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत 6-59 माह की आयु के बच्चों को आयरन फोलिक एसिड सिरप दिया जाता है। इस अभियान में क्षेत्रीय आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्री द्वारा पांच वर्ष तक के बच्चों की सूची तैयार की जाएगी एवं प्रत्येक बुधवार व शनिवार को आयोजित टीकाकरण सत्र पर विटामिन ए की खुराक तथा आयरन फोलिक एसिड सीरप दिया जाएगा। सत्रों का पर्यवेक्षण ब्लॉक स्तरीय चिकित्सा अधिकारी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी, एआरओ, बीपीएम, बीसीपीएम, क्षेत्रीय सुपरवाइजर द्वारा किया जाएगा। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ रविशंकर ने बताया कि 10 जून से विटामिन ए संपूर्ण कार्यक्रम एवं एनीमिया मुक्त भारत की गतिविधियां संचालित की जाएगी। एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के अंतर्गत 6 माह से 59 माह तक के बच्चों को आयरन फोलिक एसिड सीरप सप्ताह में दो बार, गर्भवती महिलाओं व धात्री महिलाओं को आयरन फोलिक एसिड की गोलियां प्रतिदिन, प्रजनन आयु वर्ग की 20-24 वर्ष की महिलाओं को आयरन फोलिक एसिड की गोलियां साप्ताहिक आधार पर, स्कूल जाने वाले कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के बच्चों को आयरन फोलिक एसिड की गुलाबी गोली तथा कक्षा 6 से कक्षा 12 तक के बच्चों को आयरन फोलिक एसिड की नीली गोली साप्ताहिक आधार पर खिलाई जाती है। आशा व आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा तैयार ड्यू लिस्ट 9 माह से 5 वर्ष के बच्चों की सूची के अनुसार एएनएम द्वारा उपकेंद्र क्षेत्र के लक्षित बच्चों के अभिभावकों को विटामिन ए की खुराक, वजन, विटामिन ए के लाभ, स्तनपान व पूरक पोषाहार संबंधी लाभ से अवगत कराते हुए सेवाएं प्रदान की जाएंगी। सीएमओ कार्यालय में संपादित विटामिन ए संपूरण कार्यक्रम की कार्यशाला में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एन के जैन, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ रविशंकर, उप जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ अंशुमान तिवारी, ब्लॉक अधीक्षक डॉ वैभव पुरोहित, डॉ के के राजपूत, डॉ विमल कुमार, डॉ ओ पी राठौर, डॉ एम पी राजपूत, डॉ सुमित मिसुरिया, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डॉ विजयश्री शुक्ला, अपर शोध अधिकारी लाखन सिंह, सहायक शोध अधिकारी, डीआईसी रामबाबू कुमार, विद्या वर्मा, राम किशोर, अनिरुद्ध शुक्ला, शिवेंद्र सिंह आदि उपस्थित रहे।

मालिक.मुद्रक, प्रकाशक, संपादक संजय श्रीवास्तव द्वारा सेलेक्ट ऑफसेट पता 17, सरकपुर सरैया, छठामील, बी०के०टी० लखनऊ उ0प्र0.226201, लखनऊ से मुद्रित एवं 20 कृष्णा नगर उरई जालौन से प्रकाशित प्रधान संपादक संजय श्रीवास्तव फोन न. +919415055318
(पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिमेदार सभी विवादों का न्याय क्षेत्र उरई जालौन न्यायालय के अधीन होगा। निदेशक अनिल शर्मा, प्रबंध संपादक इं० शिवम श्रीवास्तव RNI NO UPHIN/2011/39718